website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 279 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 16 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने बिहार के पूर्णिया में 40,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिहार के पूर्णिया से लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं रेलवे, हवाई अड्डा, बिजली और सिंचाई जैसे कई अहम क्षेत्रों से जुड़ी हैं। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि सीमांचल क्षेत्र बिहार की प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इन परियोजनाओं से यहां की कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को नई ताकत मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40,000 से ज्यादा परिवारों को स्थायी घर मिले हैं, जिसे उन्होंने त्योहारों से पहले नई शुरुआत बताया।

वहीं इंजीनियर्स डे के मौके पर पीएम मोदी ने पूर्णिया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया, जो पांच महीने से कम समय में बनकर तैयार हुआ है। उन्होंने यहां से पहली कमर्शियल (वाणिज्यिक) उड़ान को हरी झंडी भी दिखाई और कहा कि अब पूर्णिया भारत के विमानन मानचित्र पर दर्ज हो गया है। रेलवे क्षेत्र में पीएम मोदी ने एक वंदे भारत, दो अमृत भारत और एक पैसेंजर ट्रेन को रवाना किया। इसके साथ ही अररिया-गलगलिया रेल लाइन का उद्घाटन किया और विक्रमशिला-कटारिया रेल लाइन की नींव रखी। उन्होंने भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेल लाइन और बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के मोकामा-मुंगेर सेक्शन को डबल करने की भी मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री ने भागलपुर के पीरपैंती में 2,400 मेगावाट के थर्मल पावर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया और कोसी-मेची अंतर-राज्यीय नदी जोड़ परियोजना की नींव रखी। उन्होंने कहा कि यह सिंचाई क्षमता बढ़ाने और बार-बार आने वाली बाढ़ से निपटने में मदद करेगी। इसके साथ ही उन्होंने मखाना किसानों के लिए सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया कि राष्ट्रीय मखाना बोर्ड बनाया गया है और इस क्षेत्र के लिए 475 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी गई है।

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का तेजी से हो रहा विकास उन लोगों को असहज कर रहा है जिन्होंने पहले राज्य को नजरअंदाज किया था। उन्होंने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के लिए मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा और आवास जैसी योजनाओं से सीधे लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने सीमांचल और पूर्वी भारत में अवैध घुसपैठ पर चिंता जताई और कहा कि हर घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा। साथ ही विपक्षी दलों को वोट बैंक की राजनीति करने के लिए आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री ने बिहार की महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता की तारीफ की और कहा कि पिछले दो दशकों में उन्होंने राज्य की दिशा बदली है। उन्होंने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए 500 करोड़ रुपये का सामुदायिक निवेश फंड जारी करने की घोषणा की।

त्योहारी सीजन से पहले आम जनता को राहत देते हुए पीएम मोदी ने यह भी बताया कि 22 सितंबर से रोजमर्रा की जरूरत की चीजों जैसे साबुन, शैम्पू, खाद्य सामग्री और स्टेशनरी पर जीएसटी घटा दिया जाएगा, जिससे घरों के खर्च में कमी आएगी।

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी में से कौन ज्यादा लोकप्रिय?

-क्या राहुल गांधी देश का प्रधानमंत्री बन पाएंगे?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश में नई बहस शुरू हो चुकी है। देश में चर्चा हो रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संसद में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी में से कौन ज्यादा लोकप्रिय है। भविष्य में क्या राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में लोकप्रिय नेता हैं। मोदी देश के तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। प्रधानमंत्री की कुशल राजनीति के कारण ही भाजपा देश की केंद्रीय सत्ता में आ सकी और लगातार चुनाव जीत रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुओं के एक बड़े वर्ग में बेहद लोकप्रिय हैं। मोदी सरकार कुछ निर्णयों के कारण ही देश में उनकी पहचान बनी, जिससे देश को फायदा हुआ या नुकसान यह अलग बात है। इनमें है:- नोटबंदी, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शुरू करना, अनुच्छेद 370 को हटाना, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट स्ट्राइक, ट्रिपल तलाक पर रोक, नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), अयोध्या मंदिर का भूमि पूजन, स्वच्छ भारत अभियान आदि कुछ निर्णय और भी साहसी निर्णय है:- जैसे रूस से पेट्रोल खरीदने का निर्णय। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में कुछ ऐसे निर्णय हैं जिनको जनता पसंद नहीं करती है जैसे चुनाव आयोग को शक्तिशाली बनाना और उसके जरिए पक्षपात करना, पूंजी पतियों को गैर जरूरी फायदा पहुंचाना, युवाओं को रोजगार देने में नाकामी, भ्रष्टाचार और देश में नफरत की राजनीति। प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगे हैं। चुनाव में धांधली के बड़े आरोप मोदी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। फिर भी भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को और लोकप्रिय नेता दूसरा नहीं है। करीब 75 वर्ष की आयु में प्रधानमंत्री का राजनीति में पूरी तरह सक्रिय रहना उनके लिए अच्छा संकेत है।

राहुल गांधी :- राहुल गांधी कांग्रेस के नेता हैं और संसद में नेता प्रतिपक्ष हैं। राहुल गांधी ने राजनीति में शुरुआत से लेकर अब तक ऐसे नेता की छवि देश की जनता के सामने बनाई है जिसमें मेहनत करने वाला, साहसी, निडर, ईमानदार एवं सूझबूझ वाला नेता झलकता है। कांग्रेस के दूसरे नेता ईडी, सीबीआई एवं अन्य आरोपी के डर से डर के पार्टी छोड़ रहे थे और कुछ सत्ता पक्ष से मिलकर पार्टी के साथ गद्दारी कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी निडरता से सड़कों पर उतरकर सत्ता पक्ष की मनमानी रोक रहे थे। उन्होंने ईडी,सीबीआई और जांच एजेंसियों का डटकर मुकाबला किया। राहुल गांधी देश के पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने शक्तिशाली संगठन आरएसएस और शक्तिशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को देश के लिए नुकसानदायक बताया और देश के लिए बांटने वाली नीति कहा। राहुल गांधी को डराने के लिए विभिन्न आरोप लगाए गए। एजेंसियों से जांच करवाई गई। लेकिन उन्होंने बिना किसी डर, भय से देश के युवाओं, किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हित में आवाज उठाना बंद नहीं किया। विपक्ष में रहकर सरकार की कमियों और गलत नीतियों को जनता को बताने का काम राहुल गांधी से ज्यादा दूसरा नेता नहीं कर सकता है। राहुल गांधी देश के ऐसे जमीनी नेता बन गए हैं जो देश की आवाज, जनता की आवाज बिना किसी धर्म, जाति एवं वर्ग की ओर झुके निष्पक्षता से उठाते हैं। जिस राहुल गांधी को शुरुआत की राजनीति में पप्पू समझा जाता था या राजनीति ने उन्हें पप्पू बना दिया था। वर्तमान में देश की जनता उन्हें भावी प्रधानमंत्री मानने की ओर अग्रसर है। राहुल गांधी को देश का भविष्य का नेता माना जाने लगा है। राहुल गांधी की मेहनत, संघर्ष, लग्न, निडरता एवं उनके विचारों से देश के युवा प्रेरणा लेने लगे है। कांग्रेस पार्टी में अब कोई भी नेता राहुल गांधी के कद का नहीं है। राहुल गांधी ही कांग्रेस है। राहुल गांधी निराधार रूप से देश के लोकप्रिय नेता हैं और देश की सोच रखने वाले नेता हैं। यह भी माना जा सकता है कि देश में दो ही लोकप्रिय नेता हैं जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी है।

मुंबई में लगातार बारिश से जनजीवन बेहाल

-मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और उसके आसपास के जिलों में रविवार रात

से ही तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मुंबई में अगले कुछ घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुंबई के कई जिलों में रविवार रात से ही लगातार तेज बारिश हो रही है, जिसकी वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है

मुंबई के कई जिलों में रविवार रात से ही लगातार तेज बारिश हो रही है, जिसकी वजह से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। लोगों को इस दौरान सतर्क और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

बांद्रा रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर पानी भर गया

इसी बीच लगातार हो रही बारिश का असर सोमवार सुबह देखा गया। बांद्रा रेलवे स्टेशन पर ट्रैक पर पानी भर गया। लेकिन, अभी तक ट्रेनों का परिचालन बंद नहीं किया गया है।महाराष्ट्र के भंडारा जिले में भी सुबह से गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो रही है। इसके कारण शहर के शास्त्री चौक इलाके में जगह-जगह जलभराव हो गया है। तेज बारिश होने से महिला समाज स्कूल परिसर में भी पानी भर गया है और यहां का नजारा तालाब की तरह दिखने लगा। जलभराव के कारण छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

30-40 किमी प्रति घंटे की तेज हवा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है

बारिश ने मोनोरेल सेवा पर भी असर डाला। बारिश के कारण तकनीकी खराबी के चलते इसके परिचालन में दिक्कतें पैदा हुईं। बीएमसी ने मौसम पूर्वानुमान में शहर और उपनगरों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ सामान्यतः बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जताया है। इसी के साथ 30-40 किमी प्रति घंटे की तेज हवा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना भी जताई गई है।

भारी बारिश और तेज हवा को देखते हुए मछुआरों को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है

वहीं, भारी बारिश और तेज हवा को देखते हुए मछुआरों को विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है। बारिश के दौरान मछली पकड़ने जैसे कार्यों से दूरी बरतने की सलाह दी गई है। वहीं, लोगों से समुद्र किनारे नहीं जाने को कहा गया है। प्रशासन ने कहा है कि लोग मौसम से जुड़ी आधिकारिक जानकारी प्राप्त करते रहें और किसी भी तरह की गलत सूचनाओं से बचें।

यूपीआई यूजर्स को बड़ी राहत, अब रोजाना 10 लाख रुपये तक कर सकेंगे लेनदेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने यूनिफाइड पेमेंट्स

इंटरफेस (UPI) की लिमिट बढ़ा दी है, जिससे अब यूजर्स रोजाना 10 लाख रुपये तक के बड़े लेनदेन कर सकेंगे। यह नई सुविधा आज सोमवार से लागू हो गई है और फिलहाल यह केवल चुनिंदा श्रेणियों और वेरिफाइड मर्चेंट्स पर उपलब्ध होगी। NPCI के पिछले महीने जारी सर्कुलर के मुताबिक, पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) ट्रांजेक्शन की सीमा अब प्रति लेनदेन 5 लाख रुपये कर दी गई है, जबकि कुल दैनिक सीमा को 10 लाख रुपये तक बढ़ा दिया गया है। यह बदलाव बीमा प्रीमियम, कैपिटल मार्केट, यात्रा, कलेक्शंस और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) जैसे क्षेत्रों पर लागू होगा।

बीमा और कैपिटल मार्केट निवेशों के लिए पहले प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपये थी, जिसे बढ़ाकर अब 5 लाख रुपये कर दिया गया है। साथ ही, इन श्रेणियों में अधिकतम 10 लाख रुपये तक का दैनिक लेनदेन संभव होगा। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर टैक्स भुगतान और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट्स (EMD) जैसी सेवाओं के लिए पहले यह सीमा 1 लाख रुपये थी, जिसे अब बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा, अब क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान भी यूपीआई से 5 लाख रुपये प्रति लेनदेन तक किया जा सकेगा। हालांकि, क्रेडिट कार्ड बिलों के लिए दैनिक सीमा 6 लाख रुपये तक तय की गई है। वहीं, पर्सन-टू-पर्सन (P2P) ट्रांसफर की सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह अभी भी 1 लाख रुपये प्रतिदिन बनी हुई है। इस फैसले से डिजिटल पेमेंट्स को और आसान और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी और उच्च मूल्य वाले लेनदेन भी तेजी से पूरे किए जा सकेंगे। इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भाजपा 14 करोड़ सदस्यों के साथ बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि भगवा पार्टी 14 करोड़

सदस्यों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है, जिनमें से दो करोड़ सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के देश भर में 240 लोकसभा सदस्य, लगभग 1,500 विधायक और 170 से ज्यादा विधान परिषद सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने विगत 11 वर्षों में काम और जवाबदेह सरकार की राजनीति की है, जबकि पिछली सरकारों में काम न करने की राजनीति थी और उन्होंने विकास कार्य नहीं किए। वे घोषणापत्र में किए गए वादों को भी भूल गए। सिर्फ परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति की।

जेपी नड्डा ने क्या कहा?

यहां पार्टी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, "भारत में 20 राज्यों में राजग की सरकारें हैं और 13 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। हम देश की सबसे बड़ी प्रतिनिधि पार्टी हैं। हम एक ऐसी पार्टी से आते हैं जिसका एक वैचारिक आधार है।" उन्होंने कहा कि पार्टी के वादे के अनुसार, अनुच्छेद 370 को हटाया गया, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, सीएए और वक्फ अधिनियम में संशोधन किए गए और तीन तलाक को समाप्त किया गया। भारत, जो अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी दर स्लैब को घटाकर देश को एक उपहार दिया है।

जेपी नड्डा ने बताया लक्ष्य:-

उन्होंने कहा, "हमारा रक्षा निर्यात सात गुना बढ़ गया है। हम चिकित्सा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत अब 92 प्रतिशत मोबाइल फोन का उत्पादन और निर्माण कर रहा है।" आंध्र प्रदेश में किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने अमरावती में विकास कार्यों के लिए 15,000 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। आंध्र प्रदेश में आईआईटी और आईआईएम जैसे कई संस्थान स्थापित किए हैं। पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि वह एक निष्क्रिय सरकार थी। उन्होंने कहा, "वह एक कुशासन वाली सरकार थी। वह भ्रष्टाचार से भरी हुई थी। अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार विकास की ओर अग्रसर है।"

अमित शाह ने हजारीबाग में नक्सलियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों को नक्सलवाद के खिलाफ एक और बड़ी सफलता मिली है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम ने एक संयुक्त अभियान चलाकर कुख्यात नक्सली कमांडर सहदेव सोरेन उर्फ परवेश समेत कुल तीन नक्सलियों को मार गिराया। सहदेव पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता करार दिया।

गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "आज झारखंड के हजारीबाग में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की जॉइंट टीम को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी कामयाबी मिली है। इस अभियान में 1 करोड़ रुपए का इनामी, कुख्यात नक्सली कमांडर सीसीएम सहदेव सोरेन उर्फ परवेश को ढ़ेर कर दिया गया है। साथ ही, दो अन्य इनामी नक्सलियों- रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और बिरसेन गांझू उर्फ रामखेलावन को भी सुरक्षा बलों ने मार गिराया।"

शाह ने आगे कहा कि इस ऑपरेशन के बाद उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त होगा।

बता दें कि संयुक्त ऑपरेशन में सोमवार सुबह मारे गए नक्सली सहदेव सोरन उर्फ परवेश पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। वहीं, दो अन्य नक्सलियों में 25 लाख रुपए का इनामी और भाकपा माओवादी संगठन की झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम और 10 लाख रुपए का इनामी वीर सेन गंझू शामिल हैं। घटनास्थल से तीन एके-47 राइफल भी बरामद की गई।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान में दो दिन के भीतर झारखंड पुलिस की यह दूसरी बड़ी सफलता है। इसके पहले रविवार को पलामू के मनातू जंगल में सुरक्षाबलों और प्रतिबंधित संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) के बीच मुठभेड़ में 5 लाख रुपए के इनामी नक्सली मुखदेव यादव को मारा गिराया गया था। वहीं, 7 सितंबर को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर पुलिस ने 10 लाख के इनामी नक्सली अमित हांसदा उर्फ अपटन को ढेर किया था। बोकारो जिले का रहने वाला अमित 96 नक्सली वारदातों में वांटेड था।

झारखंड पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में औसतन हर महीने तीन नक्सली मुठभेड़ों में मारे जा रहे हैं। फिलहाल राज्य में 100 से 150 माओवादी सक्रिय हैं। 58 नक्सली इनामी सूची में हैं, जिन पर कुल 5 करोड़ 46 लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में भाकपा माओवादी के 13 बड़े नक्सली हैं।

झारखंड पुलिस और केंद्रीय बल मार्च 2026 तक राज्य को नक्सल मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के तहत जनवरी से अब तक 28 नक्सली मारे जा चुके हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ को बनाया चार राज्यों का कोआर्डिनेटर

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने समधी (भतीजे आकाश आनंद के ससुर) पूर्व सांसद

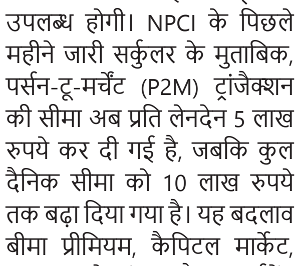

अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाकर चार राज्यों का जिम्मा सौंपा है। अशोक की पिछले दिनों ही बसपा में वापसी हुई है। अशोक के साथ ही कई और पदाधिकारियों के दायित्वों में भी एक बार फिर फेरबदल किया गया है। सूत्रों के अनुसार अशोक को पार्टी संगठन के सेक्टर-तीन का केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाकर छत्तीसगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर व गुजरात राज्य में पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। पहले इस सेक्टर को रणधीर सिंह बेनीवाल देख रहे थे। बेनीवाल को अब सेक्टर-चार का केंद्रीय कोआर्डिनेटर बनाया गया है जिसे अब तक डा. लालजी मेधांकर को मायावती ने सौंप रखा था। मेधांकर अब सेक्टर पांच और इसे देख रहे पूर्व विधायक अतर सिंह राव सेक्टर छह देखेंगे। सेक्टर छह अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास था। सेक्टर एक के पूर्व सांसद रामजी गौतम और दो के पूर्व सांसद राजाराम को यथावत बनाए रखा गया है। उल्लेखनीय है कि बसपा प्रमुख ने संगठन की दृष्टि से देश को छह सेक्टर में बांटते हुए हर एक में तीन से चार राज्यों को रखा है। सेक्टर के केंद्रीय कोआर्डिनेटर के कार्यों की समीक्षा का दायित्व पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को सौंपा गया है।

SMS अस्पताल में चिकित्सा इतिहास रचा गया

जयपुर । पहली बार हुआ लाइव लिवर ट्रांसप्लांट, पत्नी ने बढ़ाया जीवनदान का हाथ – पति को दिया अपने लिवर का हिस्सा, 15 घंटे का सफल ऑपरेशन – डोनर और मरीज दोनों की हालत स्थिर, 2 महीने की तैयारी, 40% लिवर ट्रांसप्लांट कर बचाई जान, अब तक SMS में 13 कैडेवर ट्रांसप्लांट, पहली बार जीवित डोनर से, महंगा ऑपरेशन SMS में निशुल्क, 7000 मरीजों को मिलेगी राहत की राह, डॉ. दिनेश भारती की अगुवाई में हुई ऐतिहासिक सर्जरी, चिकित्सा प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी बोले – SMS को बनाएंगे ट्रांसप्लांट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अमेरिका अब भरोसे वाला देश नहीं रहा!

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका से दूरी बनाना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आभास होने लगा था कि अमेरिका भरोसेमंद देश नहीं हो सकता है? एक तरफ अमेरिका दोस्ती की बात करता है और दूसरी तरफ अपने स्वार्थ और अपनी बातें मनमाने के लिए काम करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तो कहना ही अलग है। डोनाल्ड ट्रंप विश्व के किसी भी राष्ट्रध्यक्ष का सम्मान नहीं करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी भी देश एवं उसके राष्ट्रध्यक्ष को धमकाते रहते हैं। लेकिन जब किसी देश को अमेरिका की जरूरत होती है तो अमेरिका उस देश एवं उसके शासनाध्यक्ष को ब्लैकमेल करने से नहीं चूकते है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उसके हिसाब से चलने और उसकी हर बात मानने के लिए धमकाया, ब्लैकमेल करने की कोशिश की। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दबाव में नहीं आए। अमेरिका भारत के दुश्मन देश पाकिस्तान का हमेशा सपोर्टर रहा है। विश्व में अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की बनती जा रही है। ऐसी ही घटना 9 सितंबर को कतर से आई है। कतर और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर का सुरक्षा समझौता है। कतर पर इजरायल ने लड़ाकू विमानो से आक्रमण कर दिया। अमेरिका ने इजरायल के आक्रमण का कोई जवाब नहीं दिया। जबकि अमेरिका कतर से अरबो डॉलर उसकी सुरक्षा की एवज में लेता है। कतर के साथ अमेरिका का 2014 डिफेंस कॉरपोरेशन एग्रीमेंट और 2025 में THAAD मिसाइल सिस्टम सहित 42 बिलीयन डॉलर का समझौता है। इजराइल के आक्रमण को नहीं रोकना कतर के साथ अमेरिका की गद्दारी है। अमेरिका ने अनेक देशों के साथ धोखा दिया है। अमेरिका की ताकत के सामने कोई भी देशी उसको जवाब देने की हिम्मत नहीं कर पाता है। चीन, रूस, ईरान और उत्तरी कोरिया जरूर अमेरिका की आंख में आंख डालकर बात करते हैं। यही कारण है कि विश्व के अनेक देश अमेरिका से परेशान होकर चीन, रूस गुट की तरफ आते जा रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी आक्रामक ट्रैफिक नीतियों के कारण विश्व के ज्यादातर देशों को परेशान कर रखा है। विश्व में सभी देश अमेरिका से परेशान दिखाई दे रहे हैं। भारत को भी अमेरिकी टैरिफ का दबाव बनाकर झुकाने की कोशिश की गई। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई चिंता नहीं की और भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दुश्मन देश चीन और रूस से दोस्ती बढ़ा ली। रूस से सस्ता पेट्रोल खरीदना जारी रखा और चीन से सस्ता आयात शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम भारत को अमेरिका से मिलने वाले बड़े धोखे से बचाने में बड़ा कारगर सिद्ध हो सकता है। क्योंकि अमेरिका निश्चित रूप से भारत को ब्लैकमेल और धोखा देने वाला देश है।

मुहम्मद हिदायतुल्लाह, भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश

मुहम्मद हिदायतुल्लाह (अंग्रेज़ी: Mohammad Hidayatullah, जन्म: 17 दिसम्बर 1905; मृत्यु: 18 सितम्बर 1992) भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह को भारत के प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति कहना ज़्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि यह भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं थे। उन्होंने दो अवसरों पर भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी कार्यभार संभाला था। इसके साथ ही वो एक पूरे कार्यकाल के लिए भारत के छठे उपराष्ट्रपति भी रहे।

जीवन परिचय

मुहम्मद हिदायतुल्लाह के पुरखे मूलत: बनारस के रहने वाले थे जिनकी गिनती शिक्षित विद्वानों में होती थी। मुहम्मद हिदायतुल्लाह का जन्म 17 दिसम्बर 1905 को नागपुर (महाराष्ट्र) में हुआ था। इनके दादा श्री मुंशी कुदरतुल्लाह बनारस में वकील थे जबकि इनके पिता ख़ान बहादुर हाफ़िज विलायतुल्लाह आई.एस.ओ. मजिस्ट्रेट मुख्यालय में तैनात थे। इनके पिता काफ़ी प्रतिभाशाली थे और प्रत्येक शैक्षिक इम्तहान में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते थे। इनके पिता हाफ़िज विलायतुल्लाह 1928 में भाण्डरा से डिप्टी कमिश्नर एवं डिस्ट्रिक्ट के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह के दो भाई और एक बहन थी। उनमें सबसे छोटे यही थे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह की माता का नाम मुहम्मदी बेगम था जिनका ताल्लुक मध्य प्रदेश के एक धार्मिक परिवार से था, जो हंदिया में निवास करता था। मुहम्मद हिदायतुल्लाह की माता का निधन 31 जुलाई, 1937 को हुआ था। सरकारी सेवा में रहते हुए ब्रिटिश सरकार ने श्री हिदायतुल्लाह के पिता को ख़ान बहादुर की उपाधि, केसरी हिन्द पदक, भारतीय सेवा सम्मान और सेंट जोंस एम्बुलेंस का बैज प्रदान किया था। इनके पिता अखिल भारतीय स्तर के कवि भी थे और मात्र 9 वर्ष की उम्र में ही इन्हें विद्वत्ता की प्रतीक मुस्लिम पदवी हाफ़िज की प्राप्ति हो गई थी। उन्होंने फ़ारसी एवं उर्दू भाषा में कविताएँ लिखी। मुंबई के कुतुब प्रकाशन ने इनकी कविताओं का संग्रह 'सोज-ए-गुदाज' के नाम से प्रकाशित किया था। इनके पिता की दूसरी पुस्तक 'तामीर-ए-हयात' शीर्षक से प्रकाशित हुई, जो गंभीर दार्शनिक पद्य रूप में थी। हिदायतुल्लाह के पिता 6 वर्षों तक विधायिका परिषद के सदस्य भी रहे। मुहम्मद हिदायतुल्लाह के पिता का निधन नवम्बर, 1949 को हुआ था।

शिक्षा

हिदायतुल्लाह का परिवार शिक्षा से रोशन था और उसके महत्त्व को भी समझता था। इस कारण हिदायतुल्लाह एवं उनके दोनों भाई इकरामुल्लाह और अहमदुल्लाह को भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का मौक़ा शुरू से ही मिला। उस समय उच्च कोटि के स्कूलों में ही गणवेश पद्धति थी। हिदायतुल्लाह ने जीवन के 6 आरंभिक वर्ष नागपुर में ही व्यतीत किए। 1921 में यह मैट्रिक परीक्षा हेतु योग्यता अर्जित कर चुके थे। लेकिन इन्हें 1921 में मैट्रिक परीक्षा में बैठने का अवसर इस कारण नहीं प्राप्त हुआ, क्योंकि उस समय इनकी उम्र 16 वर्ष पूरी नहीं हुई थी। तब यह नियम था कि मैट्रिक की परीक्षा वही विद्यार्थी दे सकता है, जिसने 16 वर्ष की उम्र प्राप्त कर ली हो। इस कारण हिदायतुल्लाह ने 1922 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। तब यह रायपुर के सरकारी स्कूल में थे और परीक्षा में प्रथम आने के कारण इन्हें 'फिलिप्स स्कॉलरशिप' प्राप्त हुई।

व्यावसायिक जीवन

1956 तक एम. हिदायतुल्लाह नागपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस पद पर थे। इसके पूर्व यह स्कूल कोड कमेटी और कोर्ट फी रिवीजन कमेटी के प्रभारी भी रहे। 1 नवम्बर 1956 को जब राज्यों के पुनर्गठन का कार्य सम्पन्न हुआ तो उन्हें जबलपुर (मध्य प्रदेश) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। वहाँ उन्होंने 25 माह तक उस पद पर कार्य किया। 1958 में यह उच्चतम न्यायालय की बैंच में आ गए और जज का ओहदा प्राप्त हुआ।

कम उम्र के मुख्य न्यायाधीश

इस प्रकार 1942 तक ही एम. हिदायतुल्लाह के व्यक्तित्व के कई पहलू सामने आ गए थे। यह शिक्षाविद थे, ज्यूरिस्ट थे, सबसे कम उम्र के सरकारी वकील थे और एडवोकेट जनरल भी थे। 1954 में यह हाई कोर्ट के सबसे कम उम्र के मुख्य न्यायाधीश भी बने। लेकिन इनके जीवन को सर्वोच्चता प्रदान करने वाला सौभाग्यशाली दिन तो 25 फ़रवरी 1968 का था, जब यह उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने। इस प्रकार उच्च पंक्ति के वकील से एस. हिदायतुल्लाह ने न्यायिक व्यवस्था का सर्वोच्च पद प्राप्त किया। देश के विभाजन के बाद इन्हें पाकिस्तान ले जाने के लिए लुभाने की भी कोशिशें की गई थीं। इन्हें भारत में ज़िन्दगी खो देने का भय भी दिखाया गया था, लेकिन भारत का मुख्य न्यायाधीश बनकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि धार्मिक आधार पर मुस्लिमों के मन में जो आशंकाएँ थीं, वह सर्वथा निर्मूल थीं।

न्यायाधीश के रूप में

एक जज के रूप में हिदायतुल्लाह के कार्यकाल का आरंभ 24 जून 1946 से आरंभ हुआ जो 16 दिसम्बर 1970 तक जारी रहा। भारत में इस पद पर रहते हुए किसी भी अन्य व्यक्ति ने इतना लम्बा कार्यकाल नहीं गुज़ारा। सेवानिवृत्त होने के दो दिन बाद यह मुंबई चले गए। 1971 में इन्होंने बेलग्रेड में विश्व के जजों की असेम्बली में शिरकत की। रवीन्द्रनाथ टैगोर और पण्डित नेहरू के बाद इन्हें ही नाइट ऑफ़ मार्क ट्रेन की उपाधि 1972 में अमेरिका की 'इंटरनेशनल मार्क ट्रेन सोसाइटी' ने प्रदान की।

कार्यवाहक राष्ट्रपति पद पर

भारत के ज्ञानी संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रपति निर्वाचन के संबंध में तो आवश्यक नियम बनाए थे, लेकिन उन्होंने एक भूल कर दी थी। उन्होंने उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति पद का दावेदार मान लिया, यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाता है तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति पद किसे और कैसे प्रदान किया जाए? यह स्थिति 3 मई, 1969 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन के राष्ट्रपति पद पर रहते हुए मृत्यु होने से उत्पन्न हुई। तब वाराहगिरि वेंकट गिरि को आनन-फ़ानन में कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया, जिसका संविधान में प्रावधान था। लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार राष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचन

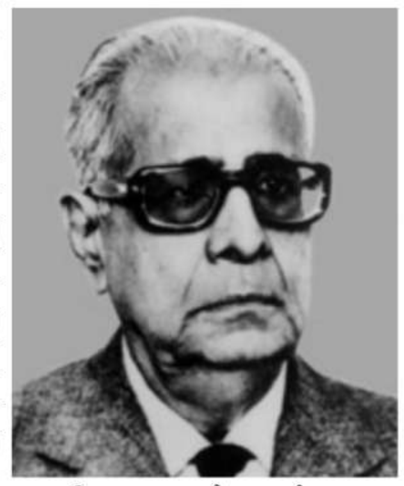

किया जाता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद भी श्री वी.वी गिरि राष्ट्रपति का चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन इसके लिए वह कार्यवाहक राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति पद का त्याग करके ही उम्मीदवार बन सकते थे। ऐसी स्थिति में दो संवैधानिक प्रश्न उठ खड़े हुए जिसके बारे में संविधान में कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। प्रथम प्रश्न यह था कि कार्यवाहक राष्ट्रपति रहते हुए श्री वी.वी गिरि अपना त्यागपत्र किसके सुपुर्द करें और द्वितीय प्रश्न था कि वह किस पद का त्याग करें- उपराष्ट्रपति पद का अथवा कार्यवाहक राष्ट्रपति का? तब वी.वी. गिरि ने विशेषज्ञों से परामर्श करके उपराष्ट्रपति पद से 20 जुलाई 1969 को दिन के 12 बजे के पूर्व अपना त्यागपत्र दे दिया। यह त्यागपत्र भारत के राष्ट्रपति को सम्बोधित किया गया था।

यहाँ यह बताना भी प्रासंगिक होगा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति पद पर वह 20 जुलाई, 1969 के प्रात: 10 बजे तक ही थे। यह सारा घटनाक्रम इस कारण सम्पादित हुआ क्योंकि 28 मई 1969 को संसद की सभा आहूत की गई और अधिनियम 16 के अंतर्गत यह क़ानून बनाया गया कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों की अनुपस्थिति में भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा इनकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण कराई जा सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में नई व्यवस्था के अंतर्गत यह सम्भव हो पाया कि राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त रहने की स्थिति में मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया जा सकता है। इस व्यवस्था के पश्चात्त सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह भारत के नए कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण कर सके। इस प्रकार 1969 को पारित अधिनियम 16 के अनुसार रविवार 20 जुलाई 1969 को प्रात:काल 10 बजे राष्ट्रपति भवन के अशोक कक्ष में इन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने से पूर्व एम. हिदायतुल्लाह को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद छोड़ना पड़ा था। तब उस पद पर जे. सी. शाह को नया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था। इन्हीं कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय ने एम. हिदायतुल्लाह को कार्यवाहक राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। वह 35 दिन तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के पद पर रहे। 20 जुलाई 1969 के मध्याह्न से 24 अगस्त, 1969 के मध्याह्न तक का समय इनके कार्यवाहक राष्ट्रपति वाला समय था। इस प्रकार अप्रत्याशित परिस्थिति के चलते इन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभालना पड़ा।

उपराष्ट्रपति

31 अगस्त 1979 को श्री हिदायतुल्लाह को सर्वसम्मति से भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया। इन्होंने अपना उपराष्ट्रपति कार्यकाल 31 अगस्त 1984 की अवधि तक पूर्ण किया। 1979 से 1984 तक उपराष्ट्रपति रहते हुए वह जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली और पंजाब विश्वविद्यालयों के कुलपति भी रहे। 4 अक्टूबर 1991 को इन्हें 'भारतीय विद्या परिषद' की मानद सदस्यता भी दी गई। इस प्रकार इन्होंने प्रत्येक पद को पूर्ण गरिमा प्रदान की। उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद एम. हिदायतुल्लाह ने आज़ाद पंछी जैसी खुशी महसूस की। उन्होंने एक बहुत बड़े दायित्व को निष्ठापूर्वक निभाया था। इस दौरान यह उपराष्ट्रपति होने के कारण राज्यसभा के सभापति भी थे। लेकिन इन पर कभी भी पद के दुरुपयोग अथवा पक्षपात करने का आरोप नहीं लगा। राज्यसभा में यह सभी सदस्यों के चहेते मित्र की भांति रहे। अवकाश ग्रहण कर लेने के बाद जाने-माने राजनेताओं ने इनकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। जब यह उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूर्ण करने के बाद मुंबई रवाना हुए तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उन्हें भावभीनी विदाई देने वालों में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी, उपराष्ट्रपति आर. वेंकटरमण, गृहमंत्री नरसिम्हाराव और उच्च अधिकारीगण सम्मिलित थे।

उपलब्धियाँ

29 सितम्बर 1984 को दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेष दीक्षांत समारोह में हिदायतुल्लाह को डॉक्टर ऑफ़ सिविल लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इन्होंने अपनी पैतृक परम्परा का निर्वाह करते हुए परदादा, दादा एवं पिता की भांति उपयोगी पुस्तकों का भी सृजन किया।

निधन

मानव जीवन की अंतिम त्रासदी यह है कि वह नश्वर है, शाश्वत नहीं। एम. हिदायतुल्लाह ने भी ईश्वर की नश्वरता के नियम का अनुपालन करते हुए 18 सितम्बर 1992 को हृदयाघात के कारण अपना शरीर त्याग दिया। इनका निधन मुंबई में हुआ था। एक इंसान के रूप में इनका जीवन मानव जाति के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। वह एक ऐसी शख़्सियत थे, जिसके सम्पर्क में आया व्यक्ति इन्हें कभी नहीं भूल सकता था। भारत माता के इस सच्चे सपूत को उसके मानवीय गुणों के कारण याद किया जाता रहेगा। **-सलीम अली**

पर्यावरण

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनियाभर में जंगलों की तबाही का मंडराया खतरा

दुनिया में आज जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की दिशा में पेड़ और जंगलों की महत्ता की चर्चा जोरों पर है। इसका अहम कारण जलवायु परिवर्तन के कारण समूची दुनिया में संतुलित और समग्र विकास के लक्ष्य का लगातार भीषण चुनौती बनकर सामने आना है। दुनिया में जिस तेजी से पेड़ों की तादाद कम होती जा रही है, उससे पर्यावरण तो प्रभावित हो ही रहा है, पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि और मानवीय जीवन ही नहीं, बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी भीषण खतरा पैदा हो गया है। जहां तक जंगलों के खत्म होने की गति का सवाल है,उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया से जंगलों का नामोनिशान तक मिट जायेगा और वह किताबों की वस्तु बनकर रह जायेंगे। हकीकत में हर साल दुनिया में एक करोड़ हेक्टेयर जंगल लुप्त होते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र भी इसकी पुष्टि करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया में कीडे-मकोडे.भी 3.5 करोड़ हैक्टेयर जंगल हर साल बर्बाद कर रहे हैं। इससे ऐसा लगता है कि इंसान तो क्या दूसरे जीव भी जीवन के लिए जरूरी पेड़ों-जंगलों के दुश्मन बनते जा रहे हैं। यदि देश की बात करें तो अकेले उत्तराखंड में बीते 8-9 बरसों के दौरान ढाई लाख से ज्यादा पेड़ काट दिये गये हैं। इनमें एक लाख से ज्यादा पेड़ आल वैदर रोड के नाम पर और शेष पर्यटन, देहरादून से लेकर दिल्ली तक सड़क चौडीक़रण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना व सुरंग आधारित परियोजनाओं आदि के नाम पर देवदार, बांज, राई, कैल जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों का अस्तित्व ही मिटा दिया गया है। पिछले बीस सालों के दौरान 40,000 हेक्टेयर जंगल आग की समाधि बने हैं जिसमें लाखों पेड़ जलकर राख हो गये हैं। विकास के नाम पर पेड़ों के अंधाधुंध कटान का सिलसिला पूरे देश में जारी है। पहाड़ दुनिया के 85 फीसदी से ज्यादा पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों के आश्रय स्थल हैं। इस बारे में एशिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका और यूरोप का जायजा लें तो पाते हैं कि पहाड़ी जंगलों के खात्मे की दर में एशिया 39.8 मिलियन हैक्टेयर वन नुकसान के मामले में सर्वोपरि है। गौरतलब है कि हर साल जितना जंगल खत्म हो रहा है, वह एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर में फैले देश जर्मनी, नार्डिक देश आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों के क्षेत्रफल के बराबर है। लेकिन सबसे बड़े दुख की बात यह है कि इसके अनुपात में नये जंगल लगाने की गति बेहद धीमी है। लंदन के थिंक टैंक एनर्जी ट्रांसमिशन कमीशन की मानें तो समूची दुनिया में हर मिनट औसतन दस फुटबाल मैदान के बराबर यानी 17.60 एकड़ जंगल काटे जा रहे हैं। बीते 30 सालों में 42 करोड़ हैक्टेयर जंगल को मैदान बना दिया गया है। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल खतरे के दायरे में हैं। हकीकत में अब अमेजन के लिए 'रेड अलर्ट' का ऐलान करने का समय आ गया है। इसमें जलवायु परिवर्तन के चलते पड़ने वाले सूखा और गर्मी व आग सहित बहुतेरे कारकों की बड़ी भूमिका है। जंगलों के खात्मे में आग भी एक अहम कारक है जिसके चलते दुनिया में हर साल लाखों हैक्टेयर जंगल आग की भेंट चढ़ जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार अमेजन वनों का लगभग आधा हिस्सा 2050 तक खत्म हो जाएगा। 1990-2020 के बीच के तीस वर्षों में 42 करोड़ हैक्टेयर जंगलों का खात्मा हुआ है। यदि मैरीलैंड यूनीवर्सिटी और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के ग्लोबल वाच की हालिया रिपोर्ट की मानें तो भारत में 2023 के दौरान 21,672 हैक्टेयर जंगल खत्म हो गये। देश में 2022 में 21,839 हैक्टेयर जंगलों का खात्मा हुआ। इसमें भारत देश के पांच राज्यों यथा आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश शीर्ष पर हैं जहां देश में आग से सबसे ज्यादा जंगल तबाह हुए हैं और यह सिलसिला आज भी जारी है। जैव विविधता को संरक्षित करने में वन की उपयोगिता जगजाहिर है लेकिन विडम्बना है कि हम उन्हीं के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। बीते तीन दशक इसके सबूत हैं कि उनमें हमने तकरीबन एक अरब वन मानवीय स्वार्थ के चलते खत्म कर दिये हैं। दुख इस बात का है कि जंगल बचाने की लाख कोशिशों के बावजूद दुनिया में वनों की कटाई में और तेजी आई है। मौजूदा दौर की हकीकत यह है कि दुनिया में हर मिनट 21. 1 हैक्टेयर में फैले जंगलों का खात्मा हो रहा है। देखा जाये तो जल, जंगल और जमीन के मुद्दे आपस में गहरे तक जुड़े हुए हैं। प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज की सबसे बड़ी जरूरत है। तभी सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित कर धरती को बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं. ये उनके अपने विचार हैं।)

निंदा का परित्याग

संकलित

दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में निर्वहन के लिए व्यक्ति के सामाजिक गुणों का अत्यंत महत्व है। गुणी व्यक्ति को प्रत्येक जगह सम्मान की प्राप्ति होती है। संसार के प्रत्येक प्राणी में कुछ गुण तो कुछ अवगुण पाए जाते हैं, परंतु कुछ लोग हैं जो दूसरे के अवगुणों को ही देखते हैं। वे किसी भी सकारात्मक पक्ष में नकारात्मकता देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। प्रायः ऐसे लोगों में निंदा की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे ऐसा करके खुद को समाज में श्रेष्ठ एवं दूसरे को नीचा साबित करना चाहते हैं। निंदा एक नशे की भांति है, जो एक बार इसका आदी हो गया, वह दिन-प्रतिदिन इसके पाश में जकड़ता चला जाता है। मनीषियों ने निंदा को दुर्व्यसन के समान माना है, जो निंदा करने वाले व्यक्ति को अंदर ही अंदर नैतिक रूप से समाप्त करती रहती है। एक बार एक आचार्य अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। शिक्षा प्राप्ति के दौरान एक शिष्य अन्य शिष्यों की ओर संकेत करते हुए आचार्य से कहने लगा कि 'वे अपना कार्य सही से नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है इन लोगों को कार्य करना ही नहीं आता।' आचार्य बोले, 'तुमको छोड़ अन्य सारे शिष्य सही से कार्य कर रहे हैं।' इस पर शिष्य असहज हो गया। उसने आचार्य से पूछा, 'वह कैसे?' आचार्य बोले, 'क्योंकि वे लोग अपने कार्य में संलग्न हैं, किंतु तुम अपने कार्य पर ध्यान न देकर, दूसरों के कार्य की निंदा करने में अपने समय की बर्बादी कर रहे हो।'

जब कोई झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

संकलित

प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर क्राइम के बढ़ते कदम रोकने होंगे

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे है। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती। जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नही तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। *– अशोक साहू, कोड़ागांव*

ट्रेंड

रिपोर्ट कार्ड की राजनीति

पहले राजनीति सिर्फ काम न करने, परिवार-केंद्रित हितों, भ्रष्टाचार, जातिवाद और तुष्टिकरण पर केंद्रित होती थी। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काम, जवाबदेही और रिपोर्ट कार्ड की राजनीति को जन्म दिया है।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

ग्लोबल बोर्ड का स्वागत

एचएसबीसी ग्रुप चेयरमैन सर मार्क टकर के नेतृत्व में ग्लोबल बोर्ड का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। बोर्ड से आग्रह किया कि वे विकास और समृद्धि के सह-निर्माण में हमारे साथ साझेदारी करें और भारत को वैश्विक परिवर्तन का केंद्र बनाएँ।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

राजभाषा का संवर्धन

हिंदी सिर्फ भाषा नहीं, यह हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान है। आप सभी देशवासियों को 'हिंदी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ। आइये, हम हमारी मातृभाषा और राजभाषा के संवर्धन का संकल्प लें।

- अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री

दिल से खेलिए

टीम इंडिया शोर-शराबे और राजनीति को दिल पर मत लीजिए। आपके सारे फैन और देशवासी मैदान और रणभूमि का फर्क समझते हैं। दबाव लेने नहीं, बनाने मैदान में जाइए ; स्पोर्ट्समैन स्पिरिट के साथ खेलिए, बाकी देश आपके साथ मजबूती से खड़ा है। दिल से खेलिए, दिल भी जीतिए !

-डॉ. रामदास अठावले, राज्यसभा सांसद

करंट अफेयर

टेक्सास में शरिया कानून पर प्रतिबंध की घोषणा

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा है कि उनके प्रांत ने इस्लामी शरिया कानून के क्रियान्वयन पर प्रतिबंध लगा दिया है और निवासियों से व्यवसायों या व्यक्तियों पर 'शरिया अनुपालन' थोपने के किसी भी प्रयास की सूचना देने का आग्रह किया। एबॉट की यह टिप्पणी ह्यूस्टन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद आई है, जिसमें एक मुस्लिम धर्मगुरु लाउडस्पीकर के माध्यम से दुकानदारों से शराब, सूअर का मांस या लॉटरी टिकट नहीं बेचने का आग्रह करते हुए दिख रहा है। गवर्नर ने इस घटना को उत्पीड़न बताया और कहा कि टेक्सास सार्वजनिक जीवन में धार्मिक आचार संहिता लागू करने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

एबॉट ने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैंने टेक्सास में शरिया कानून और शरिया कानूनी प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। किसी भी व्यवसाय और किसी भी व्यक्ति को ऐसे मूर्खों से डरना नहीं चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यदि यह व्यक्ति या कोई भी व्यक्ति शरिया अनुपालन थोपने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना स्थानीय कानून प्रवर्तन या टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग को दें।'

ऑफ बीट

'इंटरवल रनिंग' भी सेहत के लिए बेहद उपयोगी

दौडना न केवल बीमारियों से बचाव करता है, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि उम्र बढने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इंटरवल रनिंग

वास्तव में हाई–इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) का एक हिस्सा है, जिसमें तीव्र गति से दौड़ने के छोटे सत्रों के बाद विश्राम या धीमी गति से दौड़ने का समय शामिल होता है। यह पद्धति पिछले कुछ वर्षों में टबाटा और क्रॉसफिट जैसे वर्कआउट्स के ज़रिये लोकप्रिय हुई है। कैसे काम करता है इंटरवल रनिंग : एचआईआईटी में, उदाहरण के तौर पर, 30 सेकंड तक तेज गति से दौड़ने के बाद 30 सेकंड का आराम किया जाता है। यह प्रक्रिया कई बार दोहराई जाती है। इसी सिद्धांत को दौड़ने में शामिल करते हुए, "10–20–30 विधि" अपनाई जा सकती है, जिसमें पहले 30 सेकंड तक चलना या हल्की दौड़, फिर 20 सेकंड तक मध्यम गति की दौड़ और फिर 10 सेकंड की तेज स्प्रिंटिंग यानी तेज गति से दौड़ शामिल होती है। फार्टलेक स्वीडिश शब्द है जिसका अर्थ 'स्पीड प्ले' होता है। व्यायाम के लिए यह विधि भी एक आसान तरीका है जिसमें धीमी दौड़ के बीच–बीच में कुछ सेकंड की तेज दौड़ शामिल होती है।

रॉयल पत्रिका

नगर निगम जयपुर के चुनावों की चर्चा शुरू

- वार्डों में पार्षद उम्मीदवार अभी से कर रहे तैयारी

- वार्डों के पुनर्गठन ने मौजूदा पार्षदों को मुश्किल में डाला

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर नगर निगम चुनावों की चर्चा शुरू हो गई है। नवंबर 2025 में जयपुर के दोनों नगर निगमों हेरिटेज नगर निगम और ग्रेटर नगर निगम का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। इसी कारण से नगर निगम में पार्षद बनने वाले उम्मीदवारों ने वार्डों में वहां के निवासियों से मिलना जुलना शुरू कर दिया है। मौजूदा पार्षद भी अपनी-अपनी राजनीतिक पार्टियों से टिकट फिर से मिलने का जुगाड़ लगाने लगे हैं तो दूसरे उम्मीदवार भी टिकट के लिए कोशिश शुरू कर चुके हैं। नगर निगम के कई पार्षदों ने वार्डों में अच्छे विकास करवाए हैं जिनके जनता भी काफी प्रशंसा करती है। कई पार्षद कमीशन खोरी और वार्ड का विकास नहीं करवाने को लेकर बदनाम हो रहे हैं। कुछ निर्दलीय पार्षद जिन्होंने भाजपा कांग्रेस उम्मीदवारों को हराकर जीत दर्ज की थी फिर से चुनाव में उतरने की कोशिश में है। जयपुर में पिछली कांग्रेस सरकार में वार्डों का आकार काफी कम कर दिया था। इस कारण से जयपुर नगर निगम हेरिटेज में 100 वार्ड और जयपुर नगर निगम ग्रेटर में 150 वार्ड हो गए थे। ज्यादा पार्षद होने के कारण जयपुर का विकास कम हुआ और राजनीति ज्यादा हुई।

नवंबर 2025 या फिर फरवरी 2026 में हो सकते हैं पार्षद चुनाव-

भाजपा सरकार ने इस बार फिर से वार्डो का आकार बड़ा कर दिया है और जयपुर के दोनों नगर निगमों को मिलाकर एक नगर निगम बनाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। माना जा रहा है कि जयपुर में कुल 150 वार्ड बनाए जाएंगे और एक ही नगर निगम होगा। नगर निगम वार्डो का आकार और मतदाता बढ़ने से ज्यादातर वर्तमान नगर निगम पार्षदों को फिर से जीतकर आने में काफी मुश्किल होगी। नगर निगम चुनाव में जनता के बीच सबसे रोचक वातावरण बन जाता है। नगर निगम चुनाव पार्टी मुद्दों से ज्यादा सड़क, सफाई, पानी और बिजली जैसे मुद्दों पर लड़ा जाता है। कई वार्डो में जाति एवं धार्मिक आधार पर चुनाव में हार जीत देखने को मिल जाती है ।

मुस्लिम क्षेत्रों में चुनाव -

जयपुर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में चुनाव विकास के मुद्दों पर नहीं होता है। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में पार्षद सफाई सीवर, सड़क, पानी, बिजली एवं स्कूलों के विकास पर ध्यान नहीं देता है। ज्यादातर आबादी राजनीतिक रूप से अज्ञान है जो पैसे लेकर या अन्य लालच में अपना वोट देते हैं। वार्डों में जातियों का बोलबाला भी होता है। ऐसी स्थिति में अयोग्य लोग भी जाति का सहारा लेकर पार्षद बन जाते है।

चारदिवारी में या मुस्लिम क्षेत्रों में भ्रष्टाचार अन्य क्षेत्रों से ज्यादा है। यहां नगर निगम अधिकारी कर्मचारी बिना कमीशन के काम नहीं करना चाहते हैं। जनता में जागरूकता नहीं होने के कारण क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण और सफाई की शिकायत लिखित में नहीं की जाती है। इसी कारण पार्षद और नगर निगम कर्मचारी बिना काम किए ही सरकार से मोटी सैलरी लेते हैं। वर्तमान में मुस्लिम क्षेत्रों, मोहल्लों में बड़े-बड़े चोंक खत्म हो गए, चौड़े रास्ते गलियों में बदल गए और सड़कों के बीच में कचरा डिपो बन गए हैं। यदि जनता निष्पक्ष होकर पार्षद जीताकर लाए तो सफाई, सड़क और पानी, सरकारी स्कूलों की समस्या से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को शीघ्र मिलेगी राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विगत दिनों हुई अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों की समस्याओं को लेकर बेहद

संवेदनशील हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि फसल खराबे से प्रभावित किसानों को हर संभव राहत शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री के इन निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के गांवों में जाकर फसल नुकसान का जायजा लेने के निर्देश जारी किए। कलक्टर डॉ. सोनी के निर्देशों पर शनिवार को उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों ने वर्षा प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने खेतों में जाकर किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार मुआवजा दिलवाने की संपूर्ण प्रक्रिया नियमों के तहत प्राथमिकता से पूर्ण की जाएगी, जिससे प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत मिल सके। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में संबंधित हल्कों के पटवारियों के साथ मिलकर फसल नुकसान का मौके पर ही आकलन भी किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे निर्धारित समयावधि में बीमा अथवा मुआवजे से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे शीघ्र ही राहत वितरण की कार्रवाई प्रारम्भ की जा सके। अधिकारियों ने किसानों एवं ग्रामीणों को संवाद करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार किसानों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है और अतिवृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई हेतु राहत कार्यों को प्राथमिकता से आगे बढ़ाया जाएगा।

हादसों में झुलसी महिलाओं के पुनर्वास के लिए शुरू हुआ "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मैहर फाउंडेशन ने समाज सेवा की

दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए हादसों में झुलसी महिलाओं को नया जीवन देने के उद्देश्य से "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन" की शुरुआत की है। इस मुहिम का पोस्टर विमोचन रविवार को जयपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार ने किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सराहना करते हुए कहा कि "द बर्न सर्वाइवर्स मिशन" झुलसी ज़िंदगियों में उम्मीद की नई रोशनी जगाएगा। वहीं चोपदार ने कहा कि मैहर फाउंडेशन का यह अभियान केवल पीड़ितों की मदद भर नहीं है, बल्कि पूरे समाज को जागरूक करने का कार्य करेगा। फाउंडेशन की संस्थापक परवीन खान ने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य झुलसी महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और मानसिक सहयोग देकर समाज में सम्मानजनक जीवन दिलाना है। इस मौके पर फाउंडेशन की टीम के सदस्य इमरान खान, अब्दुल्ला खान, आदिल खान और ताहिर खान भी मौजूद रहे। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने इस मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर को बार कांउसिल ऑफ राजस्थान से राजस्थान मान्यता मिली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर

के द्वारा बार काउंसिल आफ राजस्थान में राजस्थान एडवोकेट वेलफेयर फंड 1987 के तहत रिकॉग्निशन एंड रजिस्ट्रेशन के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्र को बार काउंसिल ऑफ राजस्थान की आज दिनांक 13 सितम्बर 2025 के जनरल हाउस मीटिंग में राजस्थान एडवोकेट वेलफेयर फंड 1987 की धारा 14 के चैप्टर 4th के तहत रिकॉग्निशन एंड रजिस्ट्रेशन किया जाकर मान्यता दी गई। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने बार काउंसिल आफ राजस्थान के समस्त सदस्यों व चैयरमेन भुवनेश शर्मा अतिरिक्त महाधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर तथा सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन पूर्व चेयरमैन बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी ज्ञातव्यह की दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के अध्यक्ष एडवोकेट वाहिद नकवी और सचिव एडवोकेट सिराजुद्दीन बादशाह है।

मदरसों एवं अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्धा के निर्देशानुसार शनिवार को राजधानी जयपुर के

सभी मदरसों एवं अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मदरसो एवं आवासीय विद्यालय में शिक्षकों ने विधार्थियो को हिंदी भाषा के इतिहास बताते हुए छात्रों के जीवन में इसकी आवश्यकता एवं महत्व बताए। वही मदरसों में हिंदी भाषा में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता के अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गई। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के निर्देशानुसार हिंदी दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर मदरसे के छात्र-छात्राओं हिंदी में कविता और कहानी सुनाई और सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। पांचवीं कक्षा की छात्रा इल्मा ने हिंदी दिवस पर भाषण दिया। वहीं तीसरी से पांचवी के छात्र छात्राओं के लिए कविता, निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। छात्राओं ने हिंदी दिवस पर कविता भी सुनाई। शिक्षा अनुदेशक कुलदीप सिंह राजावत ने बताया कि भारत की पहचान विदेशों में हिन्दी से होती है हिन्दस्तान के हर हिस्से में हिन्दी बोली जाती है उन्होंने कहा कि हिन्दी का प्रकाश सम्पूर्ण देश में फैलाना चाहिए। इस बीच मदरसे एवं आवसीय विद्यालय के बच्चे और समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। "इस अवसर पर हमने विद्यार्थियों को हिंदी का शुद्ध उच्चारण एवं शुद्ध लेखन पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही हिंदी पढ़ो, हिंदी लिखो, हिंदी बोलो एवं हिंदी पर गर्व करो का नारा भी दिया। गुलामी की मानसिकता को दूर करने के लिए हमें दैनिक जीवन में हिंदी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। इससे एक ओर स्व का भाव जागृत होंता हैं जिससे अपनी मातृभाषा हिंदी के प्रति स्वाभिमान की भावना विकसित होती हैं। वहीं दूसरी ओर अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान एवं गर्व का भाव भी विकसित होता हैं।"

हेरीटेज नगर निगम वार्ड 12 में सीवर का कहर, जनता बेहाल

-जनता की पीड़ा पर मौन पार्षद, गुस्से में लोग

-सड़क बनी गंदे नाले की धारा, सीवर जाम से जीवन थमा, वार्ड में हाहाकार, व्यापारियों का रोष उफान पर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर का दिल कहे जाने वाला हवामहल क्षेत्र इन दिनों बदहाल हालातों से

जूझ रहा है। वार्ड 12 की गलियाँ सड़क नहीं, बल्कि दरिया का रूप ले चुकी हैं। जगह–जगह सीवर का गंदा पानी बह रहा है। रामगढ़ मोड़ से लेकर कर्बला क्षेत्र, कृष्णा कॉलोनी और बेनीवाल कांटा तक हर तरफ़ गंदगी का सैलाब पसरा हुआ है। फुटकर व्यापारी हों या आमजन—हर कोई नाराज़ और बेहाल है। लोगों का कहना है— "ये हालात सिर्फ बारिश में नहीं, बल्कि हमेशा से ऐसे ही बने रहते हैं। सालों से सीवर जाम है, लेकिन समाधान कहीं नज़र नहीं आता।ऐसा नज़ारा नगर निगम हेरीटेज वार्ड 12 में दिखाई दिया। " स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि पार्षद वार्ड संख्या 12, मोहज्जम अख्तर हुसैन पर भी जमकर गुस्सा उतारा। पाँच साल पूरे हो गए पार्षद मोहज्जम अख्तर हुसैन को चुने हुए, लेकिन नतीजा वही आश्वासन पर आश्वासन। जनता की पीड़ा पर जनप्रतिनिधि मौन, और लोगों का सब्र अब टूटने की कगार पर।

व्यापारी बोले— "दुकानें चलाना मुश्किल है, ग्राहक आना बंद हो गए, लेकिन हमारी सुनवाई कहीं नहीं हो रही।" नतीजा— वार्ड 12 में सड़क बनी नाले की धारा, जीवन थम गया सीवर जाम से, और जनता की जुबां पर सिर्फ एक ही सवाल— "आख़िर हमारी सुनवाई कब होगी?" सीवर का ढक्कन खुला,बहता पानी दुर्घटना को न्योता देता नजर आ रहा है। क्योंकि सीवर के पास बैरिकेट्स लगा कर समस्या का समाधान किया जा रहा है।

निगम कर्मचारी आते है, लेकिन सम्पूर्ण समस्या का समाधान नहीं कर पाते है। ऐसे में अगर इलाके में इसी तरह की स्थिति बनी रहेगी तो बीमारियों का सामना आमजन को करना पड़ सकता है। पार्षद पति अख्तर हुसैन जो पार्षद का काम करते हैं पर वार्ड वासियों के अनेक आरोप हैं। पार्षद वार्ड के गैर-मुस्लिम क्षेत्रों में सफाई कार्यों और विकास कार्यों में पक्षपात करते हैं। कई लोग पार्षद पति पर भ्रष्टाचार और लालच के आरोप लगाते हैं। कई लोगों ने कहा है कि पार्षद ने एक होटल मालिक की मिली भगत करके गंदे नाले की दिशा ही बदलवा दी। कांग्रेस पार्टी ने उनकी संदिग्ध गतिविधियों के कारण उनको पार्टी का शिविर नहीं दिया था। लेकिन ट्रायंगल फाइट में चुनाव में फायदा मिल गया था।

जयपुर हेरिटेज कांग्रेस सेवा दल का नया अध्यक्ष बने अशफाक अहमद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय

अध्यक्ष लालजी देसाई ने जयपुर हेरिटेज (जयपुर शहर) कांग्रेस सेवा दल का नया मुख्य संगठक (अध्यक्ष) नियुक्त किया है। अब यह जिम्मेदारी अशफाक अहमद को दी गई है। उन्होंने यह पद तत्काल प्रभाव से जाकिर बुलंद की जगह संभाला है। अशफाक अहमद पिछले दस वर्षों से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। नियुक्ति के बाद अशफ़ाक अहमद ने कहा कि आल इंडिया कांग्रेस सेवा दल ने जो विश्वास जताते हुए उन्हें जयपुर शहर अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे खरे उतरने का प्रयास करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वे सेवा दल की विचारधारा और कांग्रेस संगठन के संदेश को जयपुर शहर की हर गली-मोहल्ले तक पहुँचाने का कार्य करेंगेअशफाक अहमद ने आल इंडिया कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत का आभार जताया।

ज्यूस में नशीला पदार्थ मिलाकर बसों में सवारियों के साथ करता था लूटपाट

-पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर की जहर खुरानी के मामले में त्वरित कार्यवाही

-महज 24 घंटों में वारदात का खुलासा कर मुल्ज़िम शकील को किया गिरफतार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सजीव नैन, पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व ने बताया की पुलिस थाना

ट्रांसपोर्टनगर जयुपर पूर्व पर 11.9.2025 को परिवादी किशन सिंह पुत्र रतिसिंह निवासी मकान 4 कुण्ड रोड द्वारकापुरी जयंसिपुरा खोर जयपुर ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश कि 24.08.2025 को रात्रि में ट्रांसपोर्टनगर सर्किल से बस में बैठकर अपनी पत्नी प्रियका के साथ आगरा जा रहा था। दो व्यक्तियो द्वारा ज्यूस में नशीला पदार्थ मिलाकर हम दोनो को पिलाकर बेहोश होने पर हमारे 15000 हजार रुपये और सोने का मंगलसूत्र, चादी की पायजेब, सोने के कानो के झुमके व सोने की एक कान की बाली तथा चादी की चैन चोरी कर ले गये और हमे बेहोश हालात मे मरने हेतु बस में छोडकर चले गये। हमारे जीवन को खतरे में डाल दिया। हमे 3 से 4 दिन बाद आगरा के अस्पताल में होश आने पर 11-09-2025 को थाने पर रिपोर्ट पेश की। आदि रिपोर्ट पर मुकदमा न. 216/2025 धारा 123,125,134 बीएनएस 11.9.2025 को दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण की गम्भीरता को मध्यनजर रखते हुये आशाराम चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व के नेतृत्व में, सुश्री लक्ष्मी सुथार सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर के निकट सुपरविजन मे, अरुण कुमार पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी ट्रांसपोर्ट नगर की थाना स्तर पर गठित टीम की गयी तथा घटना के सम्बंध में घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे गये। ट्रांसपोर्ट नगर से गुजरने वाली बसों के चालको व परिचालको से पूछताछ की गयी। दौराने तलाश 12.09.2025 को एक संदिग्ध शक्स शकील पुत्र हेतम अहमद जाति मुसलमान उम्र 35 साल निवासी गांव बरालोकपुर थाना चौबिया जिला इटावा उत्तरप्रदेश को रोटरी सर्किल के पास राजस्थान रोडवेज बस डिपो के यात्री विश्राम स्थल में लगी कुर्सियो पर बैठा हुआ मिला। जिसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास मिले बैग में मुकदमा हाजा के परिवादी किशन सिंह तथा उसकी पत्नि प्रियंका के आधार कार्ड मिले तथा एक प्लास्टिक के डिब्बे मे जूस के पाउच तथा एक पाउच मे नींद की गोलिया बरामद हुयी जिससे गहनता से पूछताछ की गयी तो रात्रि के समय बस में सवार होकर आगरा जाने वाली सवारियो को जूस में नशीला पदार्थ पिलाकर उनके साथ लूटपाट करना कबूल किया तथा थाना हाजा के मुकदमा नम्बर 216/2025 के परिवादी तथा उनकी पत्नि के साथ भी रात्रि मे मैने तथा मेरे साथी संजय जाटव द्वारा घटना कारित करना तथा उनके नकद रुपये और सोने चांदी के आभूषण चोरी करना कबूल किया। जिसे बाद अनुसंधान प्रकरण हाजा में गिरफ्तार किया जाकर पेश न्यायालय किया जाकर पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया। मुल्जिम द्वारा व अपने साथियो के साथ ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर आगरा तक दर्जनो वारदात करना कबूल किया है। मुल्जिम से माल मशरुका बरामदगी व साथी संजय जाटव तथा अन्य साथियो की पतारसी के प्रयास जारी है।

हेरिटेज निगम पशु प्रबंधन शाखा ने बेसहारा गौ वंश को भेजा हिंगोनिया गौशाला

-गौ माफिया के लिए पुलिस आयुक्तालय को निगम लिखेगा पत्र

-कार्रवाई में बाधा डालने वालों को चिन्हित कर की जाएगी कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने रविवार को सड़क पर विचरण कर रही बेसहारा 10 गौ वंश को पकड़ हिंगोनिया गोशाला में पहुंचा दिया। इस संबंध में हेरिटेज निगम की पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि आमजन की शिकायत पर शाखा की ओर से कार्रवाई की गई, जिसमें सोडाला, रामनगर, सिविल इलाके में विचरण कर रही बेसहारा 10 गौ वंश को पकड़ कर हिंगोनिया गोशाला में पहुंचा दिया। सड़क पर विचरण रही बेसहारा गौ वंश से यातायात परिवहन

में समस्या आती है, दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ऐसे में शिकायत के आधार पर रविवार को दस्ते ने सोडाला, सिविल सेवा, जमना नगर, राम नगर इलाके में अभियान चलाया और 10 गौ वंश को पकड़ कर हिंगोनिया गौशाला में पहुंचाया। डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि वहीं, कार्रवाई के दौरान गौ माफिया कई बार बाधा डालने का काम करते है। ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। इनके खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्तालय को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। जिससे कि निगम कार्रवाई में परेशानी नहीं हों।

बालवाहिनी वाहनों के विरूद्ध यातायात पुलिस ने अभियान के तहत की 111 कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने स्कूली बच्चों के परिवहन के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग के साथ मिलकर जयपुर आयुक्तालय के क्षेत्राधिकार में अनफिट एवं यातायात नियमों की अवहेलना करने वाली बालवाहिनियों के विरूद्ध संयुक्त जॉच अभियान चलाने के निर्देश दिये गये है। इस कडी में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात एवं प्रशासन, योगेश दाधीच के नेतृत्व एवं पुलिस उपायुक्त, यातायात सुमित मेहरडा के निर्देशन में छात्र-छात्राओं के सुरक्षित, सुविधाजनक एवं सुलभ वाहन व्यवस्था उपलब्ध कराने की दृष्टि से यातायात पुलिस, परिवहन विभाग द्वारा नियम विरूद्ध चलने वाली बालवाहिनियों के चालकों की 1 सितम्बर 2025 से 7 सितम्बर 2025 तक अभियान चलाया जाकर समझाईश की गई। 8 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 तक यातायात पुलिस, परिवहन विभाग द्वारा सघन संयुक्त जॉच अभियान चलाया जाकर बालवाहिनियों द्वारा किये जा रहे उल्लंघन जैसे परमिट की शर्तों के उल्लंघन/ बालवाहिनी योजना की अनुमति शर्तों का उल्लंघन, बिना वर्दी के वाहन संचालन, सीट बेल्ट, पायदान, नो-पार्किंग आदि उल्लंघन / अनियमितता पाई जाने वाली कुल 111 बालवाहिनियों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही निरंतर जारी है। यातायात पुलिस व परिवहन विभाग की टीमों द्वारा 15 सितम्बर 2025 से उल्लधंनकर्ता वाहनो के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुये नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की जायेगी।

नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, इसी संदेश के साथ नशा व तंबाकू मुक्ति अभियान की शुरुआत शनिवार को होटल ताहा, सदभावना नगर खो -नागौरियान में की गई। इस अभियान के तहत जो भी व्यक्ति नशे की लत से बाहर आना चाहता है, उन्हें परामर्श के साथ-साथ निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।अभियान की अगुवाई सोहेल खान नागोरी व उनकी टीम ने की। इस अवसर पर जितेंद्र मीणा (कानोता), हाजी अनीस भाटी, सिराज खान नागोरी, रहिस भाटी हाफ़िज़ शरीफ खान नागोरी, डॉ. लईक, साहिल बाबा, जुनेद खान, मुन्ना खान, हाफ़िज़ अतीक, शाहरुख खान, अतुल खोलवाल, शौर्यवीर सिंह, नीलू मीणा, विकास शर्मा, ताहा खान नागोरी, यासिद खान, वईद खान, इरफ़ान खान, रफीक बाला, सलमान खान, वसीम खान, इब्राहिम खान, अकरम खान व साबिर खान, सहबाज खान सहित अनेक लोग मौजूद रहे। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने नशामुक्ति की शपथ ली। आयोजकों ने बताया कि आने वाले दिनों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि समाज को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य पूरा हो सके।

"स्वच्छता ही सेवा अभियान" 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में "स्वच्छता ही सेवा अभियान" 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन को और अधिक सशक्त बनाना, आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाना है। मदन दिलावर पंचायती राज मंत्री ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी से स्वच्छता के सिद्धांतों को बढ़ावा देने हेतु उत्सव के रूप में मनाना है। उन्होंने कहा कि अभियान अवधि में राज्यभर में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों की विशेष स्वच्छता गतिविधियाँ – ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, अस्पतालों व सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता श्रमदान, – सिंगल यूज़ प्लास्टिक हटाने हेतु जन-जागरूकता रैली, व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मामले में निष्पक्ष जांच व निर्दोषों को परेशान नहीं करने को लेकर एसडीपीआई ने आयोजित की प्रेस वार्ता

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया राजस्थान की प्रदेश कमेटी द्वारा शुक्रवार को बारां में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर और बारां ज़िला उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने बताया कि बारां की यह घटना दुःखद है जिससे बारां के सौहार्द को क्षति पहुंची और कानून व्यवस्था प्रभावित हुई परन्तु इस घटना को स्थानीय थाना अधिकारी व पुलिस जाब्ते द्वारा टाला जा सकता था, क्यूंकि इस से पहले भी इस प्रकार के पथ संचलन कई अलग अलग मुस्लिम क्षेत्रों से निकलते रहें परन्तु मुस्लिम समुदाय ने कभी उनका विरोध नहीं किया, लेकिन इस बार निकलने वाले पथ संचलन को प्रस्तावित मार्ग से निकाला ही नहीं गया। उक्त प्रकरण में दर्ज एफआईआर संख्या 494/25 में यह अंकित है कि प्रस्तावित मार्ग तालाब पाड़ा था जबकि विवाद का घटना स्थल कौसर कॉलोनी है जो प्रस्तावित मार्ग में शामिल ही नहीं है और प्रशासन द्वारा भी लिखित में कौसर कॉलोनी से संचलन निकालने की कोई अनुमति या जानकारी नहीं दी गई थी। प्रस्तावित मार्ग से निकाले जाने वाले क्षेत्रों के निवासियों को अवगत नहीं कराया गया था। शहर कोतवाल की अदूरदर्शिता व क्षेत्र की पहचान न कर पाने के कारण वह स्वयं इस बात पर आमादा हुए कि पथ संचलन कौसर कॉलोनी से ही निकलाया जाए जबकि प्रस्तावित मार्ग तालाबपाड़ा था। कौसर कॉलोनी के मार्ग से बलपूर्वक पथ संचलन निकालने की कार्यवाही से पुलिस और स्थानीय क्षेत्र के लोगों में आमना सामना हुआ और इसमें दोनों तरफ से लोग घायल भी हुए जिस से प्रतीत होता है कि इस कार्यवाही में प्रस्तावित मार्ग के निवासियों की भावनाएं आहत हुई, जबकि यह विवाद कोई साम्प्रदायिक या दो समुदाय के बीच न हो कर पुलिस प्रशासन व आम मुस्लिम समुदाय के बीच था। तदुपरांत पुलिस द्वारा दर्ज़ मुकदमे में जो भी मुस्लिम समुदाय के लोग समझाइश कर व्यवस्था संभाल कर प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे थे उनको ही न सिर्फ आरोपी बनाया गया बल्कि मौक़े पर उनके साथ दुर्व्यहार भी किया गया।

इस संबंध में ज़िला प्रशासन से अलग अलग संस्थाओं व राजनैतिक दलों के द्वारा संपर्क कर यह अवगत कराया गया कि जो घटना घट चुकी है इसमें साक्ष्य के आधार पर जो लोग व्यवधान कर रहें हैं उन पर ही विधिवत कानूनी कार्यवाही की जाए न कि जो लोग वहां शांत खड़े थे अथवा थाना अधिकारी से वार्ता कर रहे थे किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं कर रहे थे उनको इस मुक़दमें में अकारण परेशान नहीं किया जाए लेकिन अभी भी नाहक कुछ लोगों को बुलाकर हिरासत में लिया जा रहा है। पूरे प्रकरण में अन्य 50 लोगों के नाम पर मात्र केवल सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारियां की जा रही है। घटना के समय वहां पर कई ऐसे लोग जो किसी प्रकार से शारीरिक विरोध नहीं कर रहे थे उनको भी मुक़दमें में शामिल किया गया, स्थानीय पुलिस की कार्यवाही से रोष व्याप्त है और पूरे प्रकरण में राजनैतिक प्रभाव दिखाई प्रतीत हो रहा है। प्रेस वार्ता के माध्यम से ज़िला प्रशासन से मांग करतें हैं कि पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जाँच कर के ही कार्यवाही की जाए, पूरे प्रकरण की जाँच किसी तटस्थ अधिकारी द्वारा करवाई जाए एवं जिनके नाम मुकदमें में नहीं है उनको पुलिस कार्यवाही के नाम पर परेशान नहीं किया जाए। इस से पूर्व प्रतिनिधि मंडल ने ज़िला पुलिस अधीक्षक से भी मुलाक़ात कर मामले में निर्दोषों पर कार्यवाही नहीं करने की बात कही। शुक्रवार 12 सितम्बर की इस प्रेस वार्ता में प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बारां ज़िला कमेटी उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन व अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

विशेष अभियान के तहत अंता विधानसभा उपचुनाव की तैयारी, मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा क्षेत्र (193) में आगामी उपचुनाव को लेकर रविवार को विशेष अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी उनके साथ मौजूद रहे। कलक्टर ने पलायथा, अंता, बालाखेड़ा, बालदड़ा, बड़गांव अंता सहित कई मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्हें मतदान के महत्व से अवगत कराया और सभी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान केन्द्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की उपस्थिति सुनिश्चित की तथा उनसे मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियों की स्थिति की जानकारी ली। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारियों ने भी मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्राप्त सभी दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक कर दिया जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर, 2025 को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने सभी मतदान केन्द्रों पर सुगम व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि आगामी उपचुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके।

कोटा बैटरी एसोसिएशन की आमसभा व स्नेह मिलन समारोह संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका) । कोटा बैटरी एसोसिएशन की वार्षिक पिकनिक रविवार 14 सितम्बर को, आम सभा व स्नेह मिलन समारोह निजी रिसोर्ट में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रवि नाकरा ने लीथियम बैटरी ओर उसकी तकनीक के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश आनन्द ने देश विदेश में नई तकनीक लीथिएम व सोलर बैटरी की उपयोगीता ओर उसके महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कोटा बैटरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सलीम अब्बासी ने बैटरी व्यवसाय में आ रही परेशानियों ओर उसके समाधान एंव नवीन तकनीक ओर बैटरी की उपयोगिता के बारे में लोगों को बताया । इस अवसर पर संस्था की तरफ से लक्की ड्रा का आयोजन किया गया । सभा में राजकुमार गेरा, सुरेंद्र कुमार, जितेंद्र सिंह, मुकीम कादरी, बलराज, राजेंद्र पाल, जमुना उस्ताद, संजय नाकरा, खैमराज सुमन, अज़ीज़ भाई, बलदेव गेरा आदि का सम्मान किया गया । प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए सभी उपस्थित सम्मानित सदस्यों का संस्था द्वारा आभार प्रकट किया गया ।

शहर के वार्ड नं.02 में सीसी रोड़ निर्माण के लिए सभापति प्रदीप सिंह ने किया भूमि पूजन

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ शहर के वार्ड नं.02, रेतवाड़ा पुलिया,गौशाला मार्ग झालावाड़ पर 14 सितम्बर 2025 को नगरपरिषद सभापति प्रदीप सिंह राजावत द्वारा सीसी सड़क का निर्माण हेतु भूमि पूजन विधि विधान के साथ किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद वार्ड नं. 02 के सुजीत कश्यप (राम) भी मौजूद रहे तथा उन्होंने बताया कि यह समस्या वार्ड वासियों की काफी समय से चल रही थी इसके लिए अथक प्रयास किये गये तब जाकर आज इसका निर्माण हो रहा है इससे वार्ड वासियों सहित इस पर निकलने वाले शहर के सभी राहगीरों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा तथा वार्डवासियों की सभी समस्याओं तथा उनको सुविधा दिलवाया जाना मेरा लक्ष्य रहा है। इस अवसर पर वार्ड वासियों द्वारा सभापति प्रदीप सिंह राजावत व वार्ड पार्षद सुजीत कश्यप (राम) का फूल माला पहना कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारीगण प्रकाश वर्मा, शम्भू लोधा सत्यप्रकाश सेन, रूपनारायण चौरसिया, शंकर कश्यप, सूरजमल कश्यप पार्षद दीपक स्वामी, ईनाम जफर, राजू सुमन, पवन बैरवा, अशोक कहार, कमल कश्यप, अनिल सुमन तथा वार्डवासी गिरिराज सुमन, बन्टी, अमन, कुणाल, छोटू, मन्नू पाठक, नन्दकिशोर, असलम भाई, आबिद भाई अजीज भाई आदि मौजूद रहे।

मांगरोल में AIITA यूनिट ने 'आइडियल टीचर अवार्ड 2025' का किया आयोजन

शब्बीर हुसैन

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन (AIITA) की मांगरोल यूनिट द्वारा, शनिवार 13 सितंबर 2025 को 'आइडियल टीचर अवार्ड 2025' समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कस्बे के शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करना था। इस सम्मान के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षकों ने आवेदन दिए थे। इन आवेदनों में से सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों का चयन करने के लिए एक सात-सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति ने निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर शिक्षकों का मूल्यांकन किया जिनमें प्रमुख रूप से अख़लाक़ (नैतिकता) और व्यक्तिगत आचरण, सामाजिक गतिविधियां और समाज में योगदान।

बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका, वक्त की पाबंदी और किरदार (चरित्र)-

इन सभी बिंदुओं पर गहन मूल्यांकन के बाद दस शिक्षकों का चयन किया गया, जिन्हें प्रमाणपत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में मास्टर रफीक अहमद, मास्टर एजाज हुसैन, मास्टर मोहम्मद इकबाल, फ़ख़रुद्दीन जी (सीसवाली), मोहतरमा तरन्नुम परवीन, मोहम्मद सलीम (प्रधानाध्यापक, मदरसा सुंईवालान), मोहम्मद इरफान (अंजुमन मदरसा), मेराज अहमद, वाहिद अनवर, रिजवाना कौसर इसके अलावा, मास्टर ताहिर हुसैन को शिक्षा के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता-

कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें AIITA के प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर, डॉ. रहीम खान (मीडिया सेक्रेटरी), मास्टर यूनुस अंसारी (प्रदेश सचिव), रिटायर्ड शिक्षक मास्टर शराफत हुसैन भट्टी, रिटायर्ड प्रधानाचार्य मास्टर हाजी शौकत अली मंसूरी, और मुस्लिम कर्मचारी संघ मांगरोल के सलाहकार मास्टर शौकत अली शामिल थे। डॉ. अब्दुल रहीम खान ने अपने संबोधन में शिक्षकों को शिक्षण में आधुनिक तकनीक का उपयोग करने और खुद को बदलते दौर के अनुसार ढालने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर ने समाज में शिक्षकों के महत्व और उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश सचिव युनुस अंसारी ने उपस्थित सभी शिक्षकों को AIITA का परिचय करवाते हुए संगठन से जुड़कर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मास्टर हैदर अली अंसारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में, कार्यक्रम संयोजक और यूनिट सेक्रेटरी मास्टर हैदर अली अंसारी और यूनिट प्रेसिडेंट मास्टर मोहम्मद इरफान ने सभी उपस्थित शिक्षकों और मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

मुशायरा: शायरा नैना नसीब की गजलें दिलों में उतरी

तलवारों से बच्चों के मुकद्दर नहीं बनते....

बारां (रॉयल पत्रिका)। रात्रि डोल मेला रंगमंच पर अखिल भारतीय मुशायरें में गुरूवार को शेर-ओ-शायरी के दौरान गजलों, व्यंग और कौमी एकता के मिसरों का श्रोताओं ने देर रात तक लुत्फ उठाया। मुशायरों को सुनने के लिए जिलेभर से श्रोता रंगमंच प्रांगण में पहुंचे। शायर इस्माईल नजर के बेहतरीन संचालन में हैदराबाद से आए आरिफ सैफी ने मुशायरें का आगाज करते हुए शायराना अंदाज में मौजूदा राजनीति पर तंज कसें तो बिजनौर के फाकिर अदीब ने आज के हालातों पर व्यंग्य किया। सैफी ने- दम है तो कुदरत से टकराकर दिखा, जितने जुगनू है हिमायती तेरे, उनसे कह- सूरज बनाकर तो दिखा..... तथा दबा के रखोगे जिस सब्र से खामोशी को वो जलजले की जुबां भी एकदिन बोलेगा जैसे मिसरे से जोरदार कटाक्ष किया। मंच की शान नैना नसीब ने गजल, मोहब्बत में फिर इक कहानी हुई है वो भोली सी लड़की अब सयानी हुई है.... से दर्शकों की दाद पाई तो तेरा भगवान जैसा है, खुदा मेरा भी वैसा है, यह है काशी के जैसा और वो काबे के जैसा है.... जैसे कोमी एकता के मिसरे में श्रौताओं को सम्मोहित किया। इस्माईल नजर के शेर लब्जों को सजा लेने से मन्जर नही बनते, हर कागजी पानी से समन्दर नही बनते। तलवार अगर मुफ्त मिलती हो तो मत लो, तलवारों से बच्चों के मुकद्दर नही बनते.... से श्रौताओं में जोश भरा। मिसम गोपालपुरी की गजल फूल चुभते है मेरे जिस्म में खारों की तरह.... तथा मोहन मुंतजिर ने शायरी में मां की महिमा के बखान को बखूबी जाहिर किया।

जूनेद अख्तर, कुवंर जावेद, शायर साबिर, शायर समर, शफीउद्दीन राही, डॉ. ईमान असलम और कमर आबदी ने अपनी शायरी और उर्दु की मीठी जुबां में गजलें पढी। शायरों की इस जमात में शायर सज्जाद झंझट डायमण्ड बनकर उभरें। उन्होने अपने शेरों में हास्य का तड़का लगाते हुए- इतना तरसाया है शादी की तमन्ना नें मुझे, अब हर शख्स मुझे अपना ससुर लगता है.... से श्रौताओं को गुदगुदाया। मुशायरें में उर्दु की मीठी जबांन से अन्य शायरों ने भी अपने कलाम प्रस्तुत कियें। मुशायरें की अध्यक्षता पीटीआई अनवर अली ने की। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी शायरों समेत अतिथि लियाकत अली, डॉ. सीमा मांगरोल, जाकिर मंसूरी, डॉ. असगर, अशरफ देशवाली, प्रो. शमशाद अहमद, शेख बहादुर, रईस फैजी, नासिर मिर्जा, शाहिद कुण्डी, रईस भाई, साजिद भाई, सलीम भाई शटर वाले, सलाम मंसूरी, माजिद सलीम, मन्नू पठान, शाहीद भाई, शाहिद इकबाल, जाकिर हुसैन, अब्दुल कदीर, पिन्कु भाई, शकूर भाई, रहीम भाई, साबिर हुसैन, अजहरउद्दीन, मजूर भाई, नदीम भाई आदि का मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, यशवंत अर्जुन, परवेज खान, नरेन्द्र कुमार, शिवराज महावर और उवेश शेख ने माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा संग्रह अभियान

-जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां की सराहनीय पहल

बारां (रॉयल पत्रिका)। पंजाब में हाल ही में आई भयंकर बाढ़ ने हजारों परिवारों को गहरे संकट में डाल दिया है। इस आपदा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां ने इंसानियत और भाईचारे का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। बुधवार को संगठन ने बारां शहर के कई इलाकों में चंदा संग्रह अभियान चलाया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभियान के तहत कौसर कॉलोनी, अंजुमन चौराहा, श्योपुरियांन मस्जिद और अन्य मोहल्लों में वोलेंटियरों ने घर-घर जाकर सहयोग की अपील की। इस पहल को देखते हुए समाज के हर तबके ने योगदान दिया। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी की। इस अभियान से 1 लाख रुपये की राशि एकत्रित हुई, जो संकट की इस घड़ी में समाज की एकजुटता और करुणा का प्रतीक है। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां ने स्पष्ट किया है कि एकत्रित धनराशि को जल्द से जल्द पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुँचाया जाएगा। इस फंड का उपयोग पीड़ित परिवारों को भोजन, कपड़े, दवाइयाँ, अस्थायी आश्रय और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराने में किया जाएगा। संगठन का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना ही नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को यह संदेश पहुँचाना भी है कि वे अकेले नहीं हैं—पूरा देश उनके साथ खड़ा है। अभियान के दौरान वोलेंटियरों ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए यह भी बताया कि संकट के समय में हर छोटी-बड़ी मदद महत्वपूर्ण होती है।

समाज का यह उत्साह और सहयोग इस बात का प्रमाण है कि मानवता और आपसी भाईचारा ही किसी भी मुश्किल घड़ी का सबसे बड़ा सहारा है। इस अवसर पर जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां की ओर से सभी दानदाताओं, वोलेंटियर्स और स्थानीय निवासियों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया। संगठन ने कहा कि इस तरह के सामूहिक प्रयास न केवल पीड़ितों को राहत पहुँचाते हैं, बल्कि समाज में एकता और करुणा की भावना को भी मजबूत करते हैं। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, बारां आगे भी समाज की भलाई और मानवीय सेवाओं के लिए ऐसे कदम उठाती रहेगी और आम जनता से अपील करती है कि वे भविष्य में भी राहत और पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के प्रतिनिधि मंडल का बारां दौरा संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम का पाँच सदस्यीय डेलिगेशन शुक्रवार 12 सितम्बर को जयपुर से बारां पहुँचा। इस डेलिगेशन में प्रदेश महासचिव मुहम्मद नाज़िमुद्दीन, जमीयत उल्मा-ए-हिन्द राजस्थान के उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मंज़ूर अली, APCR राजस्थान चेप्टर के कन्वीनर सैय्यद सआदत अली, महासचिव, APCR मुज़म्मिल रिज़वी और वेलफेयर पार्टी ऑफ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष वक़ार अहमद शामिल रहे। इनके साथ सलीम अख़्तर असिस्टेंट सेक्रेट्री जमाते इस्लामी हिन्द राजस्थान, जिया उर्रहमान जनरल सेक्रेटरी यूथ फोरम जमाते इस्लामी हिन्द राजस्थान ओर लईक अहमद शहर अध्यक्ष जमाते इस्लामी हिन्द बारां राजस्थान भी मौजूद रहे। डेलिगेशन ने जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों— पुलिस अधीक्षक अभिषेक अडांसु और जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर से मुलाक़ात की। इस बैठक में बारां शहर में सद्भावना और शांति बनाए रखने में प्रशासन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति पर अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा और जिले में अमन-चैन बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राजस्थान मुस्लिम फ़ोरम के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के इस रुख़ का स्वागत किया और भरोसा जताया कि आपसी भाईचारे और सामुदायिक सहयोग से बारां शहर में सौहार्द का माहौल कायम रहेगा।

रामगंजमंडी में 69वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 15 सितम्बर से

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडीशहर की सेफील्ड इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में 69वीं जिलास्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 17 सितंबर तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में कोटा शहर और जिले के कस्बों की टीमें भाग लेंगी। स्कूल के प्रधानाचार्य मनीष जैन ने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों में इस आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को बेहतर खेल माहौल उपलब्ध कराने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने खेल मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आयोजनस्थल पर आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की और विद्यालय परिवार को आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए सुझाव दिए। इस प्रतियोगिता के व्यवस्थित आयोजन से स्थानीय स्तर पर बड़े स्तर की खेल प्रतियोगिताओं को कराने की संभावना बनेगी। नगर पालिकाध्यक्ष मेड़तवाल ने कहा कि बाहर से आने वाले सभी विद्यार्थियों और टीमों का रामगंजमंडी में विशेष स्वागत किया जाएगा। नगरपालिका की ओर भी से उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन से रामगंजमंडी में भविष्य में और भी बड़े स्तर के खेलों के आयोजन का मार्ग प्रशस्त होगा।

लोक अदालत में राजीनामे से 2110 प्रकरण निबटाए

- 1.31 करोड़ की राशि वसूल किए

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। शहर के न्यायालय परिसर में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश पर शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान प्री-लिटिगेशन, राजस्व और राजीनामा योग्य लंबित मुकदमों का निबटारा किया गया। जिसमें अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामगंजमंडी शैलेरा जडिया और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुमन मौणा की बैंचों ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक अदालत में अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रामगंजमंडी शैलेश जडिया की बैंच ने कुल 239 मामलों का निचटारा किया। जिसमें 28 लंबित और 211 प्री-लिटिगेशन के मामले शामिल रहे। जिसके तहत 5 एमएसरीटी मामलों में पीड़ित पक्षों को 54 लाख हजार की क्षतिपूर्ति राशि जारी की गई। साथ ही प्री-लिटिगेशन के 211 मामलों में 36 लाख 84 हजार रुपए की राशि वसूली हुई। इस प्रकार बैंच ने करीब 91 लाख कीन्यायिक मजिस्ट्रेट रामगंजमंडी सुमन मीणा की बैंच ने एसीजेएम कोर्ट, एमजेएम कोर्ट और ग्राम न्यायालय खैराबाद के कुल 1871 मामलों का निबटारा कर करीब 40 लाख की वसूली की। दोनों बैंचों ने मिलकर इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 2 हजार 110 मुकदमों का निबटारा कर लगभग 1 करोड़ 31 करोड़ की राशि वसूल की। इस लोक अदालत में बिजली विभाग के बिल भुगतान से जुड़े मामलों और 6 महीने से अधिक पुराने लंबित कैमरा चालानों के निपटारे पर विशेष ध्यान दिया गया। शैलेश जडिया ने बताया कि लोक अदालत से राजीनामा होने पर आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहता है, जिससे विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। लोकअदालत को सफल बनाने में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मोड़क एवं खखैराबाद के शाखा प्रबंधक, अधिवक्ता अरुण सक्सेना, रोहित पाटीदार, भगत सिंह और धीरज गुप्ता, साथ ही जेवीवीएनएल रामगंजमंडी, सुकेत एवं चेचट के पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। तालुका विधिक सेवा समिति रामगंजमंडी के अध्यक्ष शैलेश जडिया ने आभार जताकर राष्ट्रीय लोक अदालत का समापन किया।

आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

-दूल्हा-दुल्हन के विवाह शगुन नारियल व दुल्हन के बेस परिवार परिजनों को बैठक में सुपुर्द किए

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की ओर से दिनांक

12 अक्टूबर 2025 को मात्र एक रुपए में तीसरा आम मुस्लिम समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन की तैयारियों हेतु रविवार को हैदर कॉलोनी साल वाले बाबा दरगाह परिसर में दूल्हा दुल्हन के परिजनों व कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दूल्हे के परिजनों को विवाह का नारियल शगुन के रूप में दिया गया व दुल्हन के परिवार जनो को निकाह का जोड़ा दिया गया तथा निकाह सम्मेलन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत ईदगाह पेश इमाम मौलाना दानिश कफील के तिलावते कुरान व मोहम्मद सलीम मिस्कीन द्वारा नात ख्वानी से हुई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के रंगरेज समाज सदर हाजी आबिद अली, हाजी सरफराज अली चूडिगर लोहार समाज सदर मोहम्मद रफ़ीक चौहान, पिंजारा समाज सदर हाजी हाजी मोहम्मद यूसुफ, जिला मुस्लिम समाज प्रवक्ता शक़ील अहमद नागौरी, फाउंडेशन सदर मेहराज अली, एडवोकेट निसार मोहम्मद इत्यादि वक्ताओं ने मुस्लिम समाज मे सादगी के साथ सामूहिक विवाह को बढ़ाने के साथ निकाह को आसन बनाने के साथ समाज मे सादगी सरलता अपनाने के साथ कुरीतियों को दूर करने के बड़े कदम उठाने की आवश्यकता बताया। प्रवक्ता खालिद कादरी ने बताया कि इस मौके पर सामूहिक विवाह सम्मेलन कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, नायब सदर शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, चांद अली संजरी, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, हसन चौहान, इंसाफ सोलंकी, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अरबाज खान अज्जू, आरिफ नवीन, रफीक सोलंकी, सलीम फ्रूट वाले, गुड्डू भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, वाहिद खान, यासीन सबावत, अय्यूब समीर खान मोयल, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करोड़ों की लागत फिर भी खस्ताहाल हाइवे एनएच 68

-वाहन चालकों को सता रहा हादसे का डर गड्ढों की भरमार, प्रशासन मौन

सांचोर (रॉयल पत्रिका)। सांचोर से गुजर रहा नेशनल हाइवे 68 इन दिनों आसु बहा रहा है। सांचोर से गांधव के बीच करीब 45 किमी का हिस्सा गहरे गड्ढो में तब्दील हो गया है। हालात यह है कि हर किलोमीटर पर 100 से ज्यादा दो फीट गहरे बड़े-बड़े गड्ढे मिलते है। इस कारण एक घण्टे का सफर तय करने में दो गुना से भी ज्यादा समय लग रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इतने गड्ढे तो गांवों की गलियों में भी नही मिलते, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोज हजारों वाहन इन गड्ढो से होकर हजारों वाहन गुजरने को मजबूर है। जानकारी के अनुसार एनएच 68 का वर्ष 2022 में करीब 32 करोड़ रूपए की लागत से पुनर्निमाण किया गया था। तीन साल में दस से ज्यादा बार पुरी तरह बिखर गया। मरम्मत के नाम पर एनएचआई विभाग हर साल 3 करोड़ रूपए खर्च करने का दावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि अब तक किसी तरह की ठोस कार्रवाई शुरू नही हुई है। ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि गांवों की साधारण सड़कों की हालात नेशनल हाइवे से बेहतर है।

अगर जल्द ही सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो यह मार्ग लोगों के लिए और भी खतरनाक साबित हो सकता है। जिसमें दुपहिया वाहन चालक तो अपनी जान हथेली में लेकर इस नेशनल हाइवे को पार करते है कही नजर हटते ही दुर्घटना का शिकार हो जाते है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह बदहाली सिर्फ सांचोर सीमा तक ही सीमित है।

बाड़मेर बॉडर के गांधव से लेकर गुजरात सीमा गरड़ाली तक को पार करती ही जैसे गुजरात की सीमा में वाहन पहुंचा सड़क सरपट और सही हालात में नजर आती है। आखिर ऐसा सौतेला व्यवहार सांचोर की जनता के साथ क्यू?

हाइवे अपने बदहाली के आसु बहा रहा है गड्ढों की भरमार इतनी हो चुकी है कि वाहन चालक सांचोर के गुजरने के बाद दोबारा कभी सांचोर के नेशनल हाइवे पर ना आऊ। ऐसी गुहार लगा रहे है प्रशासन मौन आखिर ऐसा व्यवहार सांचोर की जनता के साथ सरकार क्यु कर रही है।

खैरवा मारवाड़ जंक्शन रोड पर भरा पानी

पाली (रॉयल पत्रिका)। खैरवा से मारवाड़ जाने वाले रास्ते पर कब्रिस्तान के पास पी डब्ल्यू डी द्वारा जो रोड और पुलिया निर्माण कराया गया था। उस पुलिए के अंदर छोटे-छोटे पाइप डालने की वजह से आज बरसात के मौसम में में रोड पर 2 से 3 फुट पानी भर गया हैं। जब पुलिया का निर्माण कराया जा रहा था उस समय ठेकेदार और अधिकारियों को अवगत करा दिया गया था कि पानी ज्यादा आता है। यहां पर बड़े-बड़े पाइप डालने पड़ेंगे लेकिन अधिकारियों ओर ठेकेदार की उदासीनता के कारण आज खैरवा मारवाड़ रोड पर इतना पानी भर चुका है कि पानी कब्रिस्तान की दीवार और खेतों में जाने वाले रास्ते पर तीन से चार फीट पानी भरा हुआ है। जिस कारण कभी भी कब्रिस्तान की दीवार गिर सकती है और कोई हादसा हो सकता है। रोड पर पानीभराव के कारण आने जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और पानी का भराव कब्रिस्तान के अंदर तक जा चुका है। जिससे कब्रिस्तान के अंदर भी कहीं कब्रों की स्थिति खराब हो चुकी है। ठेकेदार की अनदेखी के कारण आज खैरवा ग्राम वासियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। वजीर खान कायमखानी ने प्रशासन से कहा कि तुरंत प्रभाव से ऐसी को व्यवस्था कराए की कब्रिस्तान के पास और खेत में आने जाने वाले रास्ते पर पानी इकट्ठा न हो।

सिविल सेवा अंतर जिला बास्केटबॉल, वॉलीबॉल प्रतियोगिता- विजेता टीमें सेमीफाइनल में पहुंची

-बास्केटबॉल में पाली ने जैसलमेर को हराया

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य अंतरजिला 10वीं सिविल सेवा बॉस्केटबॉल पुरुष एवं 9वीं सिविल सेवा वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता 2025-26 के तहत रविवार को पाली में क्वार्टर फाइनल मुकाबले सम्पन्न हुए। बॉस्केटबॉल के मैच बांगड़ स्कूल में तथा वॉलीबॉल के मैच बांगड़ स्टेडियम में खेले गए। वॉलीबॉल सिविल क्वाटर फाइनल प्रतियोगिता में डीडवाना कुचामन वर्सेज सचिवालय के बीच मैच खेला गया जिसमें डीडवाना कुचामन टीम विजेता रही। इसी प्रकार पाली वर्सेज उदयपुर में उदयपुर विजेता, सीकर वर्सेज भीलवाड़ा मैच में भीलवाड़ा, ब्यावर वर्सेज चूरू में ब्यावर जिले की टीम विजय रही है।

बास्केटबाल में क्वाटर फाईनल मैच में पाली ने जैसलमेर को हराया-

बॉस्केटबॉल क्वाटर फाइनल मैचों में जैसलमेर वर्सेज पाली के मुकाबले में पाली जिले की टीम ने जीत हासिल की। इसी प्रकार गंगानगर वर्सेज बीकानेर में बीकानेर, हनुमानगढ़ वर्सेज चूरू में खले गए मैच में हनुमानगढ़ विजेता रहा। भीलवाड़ा वर्सेज बाडमेर की बीच मैच में बाड़मेर विजय रहा। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उम्दा प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबलों से खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल रहा। विजेता टीमें अब सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। समापन समारोह 15 सितमबर को बांगड स्टेडियम में 12 बजे आयोजित होगा जिसमें अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण भाग लेंगे।

69वीं जिला स्तरीय विद्यालय वूशु एवं ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य उद्घाटन झूपेलाव में हुआ

सोजत (रॉयल पत्रिका)। ग्राम झूपेलाव में 69वीं जिला स्तरीय विद्यालय वूशु एवं ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025-26 (छात्र-छात्रा,17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग) का भव्य उद्घाटन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं केबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण दवे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल राजपुरोहित, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), पाली ने की। सोजत विधायक शोभा चौहान, ग्राम सरपंच योगेन्द्र सिंह कुम्पावत, एवं आयोजक संस्था प्रधान पद्म सिंह सांदू (राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झूपेलाव) ने दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पाली जिले से 242 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में ग्राम वासियों ने तन-मन-धन से बढ़-चढ़कर सहयोग किया। ग्रामवासियों की सहभागिता, प्रेम एवं आयोजकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट इंतज़ामों की जिले से आए दल प्रभारियों ने भरपूर सराहना की। आयोजन स्थल को सजाने, खिलाड़ियों के स्वागत और व्यवस्थाओं में ग्राम वासियों की भूमिका काबिले तारीफ़ रही। जज़्बा हो दिल में तो मंज़िलें खुद चलकर आएँगी, खेल मैदान में मेहनत की लौ हर दिल में जल जाएँगी। इस दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में गजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, रूप सिंह, नरपत सिंह, जालम सिंह, कालू सिंह, योगेन्द्र सिंह, जसपाल सिंह, सुमन लोहिया, पप्पू सिंह, विक्रम सिंह, बुद्धा राम प्रजापत सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन हीर सिंह राजपुरोहित ने कुशलतापूर्वक किया। हमने अपने ख्वाबों को मेहनत से सजाया है, मैदान में उतर कर हर संघर्ष को अपनाया है। यह प्रतियोगिता युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। आयोजन स्थल पर उमड़ा जनसमूह और बच्चों का उत्साह आने वाले समय में जिले में खेलों के विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल है। मिलकर खेलें, मिलकर बढ़ें, यही है खेल की पहचान, ईमानदारी, अनुशासन और दोस्ती– यही है असली सम्मान।

चोटिला मेला में शिरकत के लिए सांसद इमरान मसूद को दिया निमंत्रण

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में सहारनपुर सांसद इमरान मसूद को पाली विधायक भीमराज भाटी और सदर अमजद अली रंगरेज ने पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़े चोटिला मेले का निमंत्रण पत्र भेंट किया। सांसद साहब ने विश्वास दिलाया कि वह इंशाअल्लाह मेले में ज़रूर शिरकत करेंगे। इस मौके पर पाली विधायक भीमराज भाटी जी, सदर अमजद अली रंगरेज, जिशान अली रंगरेज और सद्दाम हुसैन, अनवर मोयल मौजूद रहे।

शायर इदरीश राज खत्री अध्यक्ष बने, मंसूर अकादमी का हुआ गठन

- अब्दुल मन्नान को सचिव चुना गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर चूरू के मशहूर शायर मंसूर चूरूवी की स्मृति में क्षेत्र में साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए शनिवार को मंसूर एकेडमी चूरू का गठन किया गया। नगरश्री के सचिव श्यामसुंदर शर्मा की अध्यक्षता में राणाजी के नोहरे में आयोजित बैठक संस्था के गठन, संविधान और प्रस्तावित गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से वरिष्ठ शायर इदरीश राज खत्री को अध्यक्ष, अब्दुल मन्नान मजहर को सचिव, सेवानिवृत्त एडिशनल एसपी इस्मायल खान को कोषाध्यक्ष एवं साहित्यकार कुमार अजय को उपाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर मख़्दूम अहमद मख़्दूम, इमरान अहमद, दीपक कामिल, मुबारक अली भाटी, रमेश कुमार सोनी, अनवर अली, महमूद अली राणा, फ़जले हक आदि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मंसूर चूरूवी क्षेत्र के नामचीन शायर थे जिनकी रचनाएं देशभर में पढ़ी और सुनी जाती रही हैं। उन्होंने देशभर में विभिन्न मुशायरों में शिरकत की और अपनी शायरी से जोरदार मुकाम हासिल किया।

राजस्थान कायमखानी महासभा की ओर से छात्रावास में भामाशाह सम्मान समारोह 20 सितंबर को होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान कायमखानी महासभा, चूरू जिला इकाई की तरफ से आज चूरू कायमखानी छात्रावास का भ्रमण किया गया ओर वहां आने वाली 20 सितंबर 2025 को होने वाले "भामाशाह सम्मान समारोह 2025" पर चर्चा के लिए चूरू जिला अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी, शहर अध्यक्ष रमजान खान जोईया, महासभा के पदाधिकारी भंवरू खान ठेकेदार, इकबाल खान कबीरखानी, आमीन खान आदि ने छात्रावास का भ्रमण किया., ओर चूरू कायमखानी छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अलफखानी ने बताया कि भामाशाह सम्मान समारोह यहां कायमखानी छात्रावास में सुबह 10:00 बजे शुरू होगा जिसमें जिले भर से भामाशाह जिन्होंने छात्रावास में सहयोग किया है उनका सम्मान किया जाएगा और उनकी टीम से वहां हो रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी...! ओर एक शानदार सफल आयोजन होने को लेकर पूरी टीम की हौसला अफजाई की... इसके साथ ही जिला अध्यक्ष मुंशी खान ने बताया कि कल से वार्डों ओर देहातों का दौरा किया जाएगा और कॉम के जिम्मेदारों से ज्यादा से ज्यादा रुबरु होकर सम्मान समारोह को सफ़ल बनाते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों के शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रित किया जाने का काम किया जाएगा..! इस मौके पर छात्रावास कमेटी ओर राजस्थान कायमखानी महासभा के पदाधिकारीगण के अलावा ज़ाकिर खान के.के., शहबाज खान, गफ्फार खान, पप्पू भाई, अख़्तर रुकनखानी आदि उपस्थित रहे...!

शाही इमाम मुख्य चीफ काजी मोहम्मद अली के 50 साल की सेवा के बाद रिटायरमेंट पर कार्यक्रम आयोजित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। उपखंड शहरी क्षेत्र लाडनूं के शाही इमाम मुख्य चीफ शहर काजी मौलाना सैयद मोहम्मद अली अशरफी साहब के बासनी से रिटायरमेंट होने के विशेष मौके पर लाडनूं के मालासी रोड स्थित नवनिर्मित मदरसा मे दावत ए आम का प्रोग्राम रखा गया। इस मौके पर सर्वसमाज व मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिको ने अपने-अपने तरीके से साफा माला और शाल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर के सैयद मोहम्मद अली असरफी साहब का दिल की गहराईयो के साथ इस्तकबाल किया और मुबारकबाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शहर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रतिष्ठित डॉक्टर बी एस टंडन साहब भी तशरीफ़ लाए इतनी अधिक उम्र के बावजूद भी काजी साहब से उनका लगाव देखने लायक था वाकई जज्बा और सच्ची नियत हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं। इस मौके पर राजकीय चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर चैनाराम चौधरी, डॉक्टर जुगल किशोर, डॉक्टर अभिमन्यु, मुफ्ती साहेबान ओलमा ए किराम, एतराफे लाडनूं के अनेकों गांवों से आए मौअजीज लोग, लाडनूं की आवाम, निजी स्कूलों के संगठन एवं अल्पसंख्यक कर्मचारी अधिकारी संगठन, लाडनूं की सभी तंजीमों के सदस्यों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों और शिक्षा अनुदेशक संघ एवं कम्प्यूटर अनुदेशक संघ ने काजी साहब का इस्तकबाल किया। इस मौक़े पर केप्टन हिम्मत खा, केप्टन ताजू खां, नानू खा, गुलाम खा, डीडवाना शहर के चीफ इमाम रेहान उस्मानी साहब, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, पूर्व पार्षद फैजू खां मलवाण, अजीज खां, इदरीस खां, शब्बीर खां लाडवाण, पार्षद अयुब खां साहबखानी, सैयद मोहम्मद मुश्ताक़, अ रजाक उजीरखानी, रोशन खां, रणजीत खां, बाबू लखारा, अयूब शेख, असगर शेख, मास्टर अख़्तर बख्शी और लाडनूं के गणमान्य नागरिक आदी मौके पर मौजूद रहे।

राणासर ग्राम वासियों द्वारा पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री की गाड़ी रवाना की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती राणासर ग्रामवासियो ने पंजाब बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए इस मुसीबत की घड़ी में इन्शानियत का फर्ज निभाते हुवे मदद स्वरूप रोजमर्रा का सामान की पिकअप रवाना की जिसमें प्रतिदिन काम आने वाले सामान जैसे गदा, कम्बल, पुरुष के कपड़े, शर्ट, नाइटी, अंडर गारमेंट्स, चप्पल, लेडीज शूट, अंडर गारमेंट्स, पैड, चप्पल, बचे का कपड़े, टावल, डायपर, चप्पल, 4 प्रकार की टैबलेट्स, विक्स, मोमबत्ती, माचिस, 10kg आटा, कॉलगेट ब्रश, आचार 500gm, मॉर्टिन, तिरपाल 15 से 12 एवं पशु धन के चारे के लिए भी एक पिकअप भेजी जा रही है। सामान की पिकअप शाम असर की नमाज के बाद रवाना की गई है पिकअप रवानगी के दौरान गांव के दाऊद खां, गफ्फार खां, अकरम खां, सद्दाम खां, मजीद खां (सरपंच प्रतिनिधि), मुमताज़ खां, मुशताक खां, नवाब खां, हिदायत खां, यूनुस खां, जाफर खां, जीवण खां, यासीन खां, सिकंदर खां, कयूम खां, रफीक खां, रियासत अली खां, अदरीश खां, शाहरुख़ खां, आशिफ खां, अमजद खां, नजीर खां, सलेमदिन खां, इक़बाल खां, भंवरु खां, मुबारिक खां, इमरान खां, वसीम अकरम, हाकम अली खां आदि उपस्थित रहे। सामान के साथ गांव के युवा गफ्फार खान, वसीम अकरम, सद्दाम खान, दाऊद खान, अकरम खान, शाहरुख़ खान, मुबारिक खान, इमरान खान की टीम के साथ रवाना किया गया।

इंसानियत एकता सेवा समिति की वार्षिक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित नई सड़क इंसानियत एकता सेवा समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट इब्राहीम गौरी ने की। बैठक में आगामी वर्ष से करियर गाइडेन्स प्रोग्राम, वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह सहित कई अन्य बिंदुओं पर विचार विमर्श कर निर्णय लिया गया। साथ ही बैठक में समिति की कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया,जिसमें अध्यापक आवेश कुरैशी व अध्यापक वसीम अली को उपाध्यक्ष, एसीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी व आमीन खान सहजूसर और रफीक कुरैशी को संरक्षक, एडवोकेट इब्राहीम गौरी को सलाहकार, नवज्ञान ज्योति सी.सै स्कूल के निदेशक अरशद खान को सह-सलाहकार, डॉ. शाहरुख खान आसलसर को सहायक सचिव, सुलेमान मनीहार को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महमूद अली राणा, कोषाध्यक्ष रियाज अहमद खान, व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, संयोजक नौशाद खान, समाजसेवी गुलाम हुसैन गौरी, अध्यापक इमरान बी खान, डॉ. शाहनवाज खान, डॉ. अख्तर खान, अरशद खान एलटी, हुसैन खान, अकरम खान, अयूब खान, महबूब खान, रेहान खान, जाकिर अली खान, अब्बास खान, सोहेल खान, मोती खान, आदिल कुरैशी, कयूम कुरैशी आदि मौजूद रहे। समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने सभी का आभार जताया। बैठक का संचालन अध्यापक आवेश कुरैशी व अध्यापक अजीज खान ने संयुक्त रूप से किया।

चहारम प्रतिभा सम्मान समारोह 28 सितंबर को सुमेरपुर में होगा आयोजित

पाली/सुमेरपुर (रॉयल पत्रिका)। देशवाली शेख बिरादरी युवा इंतेजामिया विकास समिति गोड़वाड़ द्वारा 28 सितंबर को सुमेरपुर के विजियराजे सिंधिया टाउन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। बिरादरी के सदर हाजी अब्दुल सत्तार गौरी ने बताया कि इस समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

इसमें बिरादरी के प्रदेशाध्यक्ष हाजी सत्तार खान बेहलीम, सदर हाजी अब्दुल सत्तार गौरी, नायब सदर एडवोकेट मोहम्मद रफीक, सैक्रेटी बरकत अली शेख, जनरल सैक्रेटरी अल्लाहरखा खां, संयोजक हबीब शेख, प्रचार मंत्री नियाज मोहम्मद, खांजाची हाजी मोहम्मद ईसाक साबरी प्रोग्राम के सफल आयोजन के लिए जुटे हुए हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

ड्रीम गर्ल के 6 साल

वे फ़िल्में, जो नुशरत को साबित करती हैं मासी कॉमिक एंटरटेनर क्वीन

नुसरत भरुचा और आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल को सिल्वर स्क्रीन पर आए छह साल हो चुके हैं, और इन छह सालों में बतौर नायिका नुशरत भरुचा ने खुद को बॉलीवुड की कॉमेडी क्वीन के रूप में स्थापित कर लिया है। मजेदार पंचलाइन से लेकर बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग तक, अपने हर अंदाज़ से उन्होंने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को हंसाने के साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग को दुरुस्त करने के लिए किरदार में बारीकियाँ और आकर्षण तलाशने के साथ मास अपील भी बेहद जरूरी होता है। हालांकि अपने करियर की शुरुआत से ही नुसरत ने इस बात को बखूबी समझ लिया था। यकीन न हो तो उनकी पांच बेहद ज़बर्दस्त फिल्मों को ही देख लीजिए।

प्यार का पंचनामा: इस फिल्म में नुशरत ने एक आम लड़की यानी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' का किरदार निभाया था। उनके किरदार में जहां चुलबुलापन था, वहीं एक भावनात्मक गहराई भी थी। यही वजह है कि युवाओं के बीच उनका नेहा का किरदार बेहद लोकप्रिय हुआ और उनकी एक्टिंग ने फिल्म में मनोरंजन का स्तर और बढ़ा दिया।

➲**प्यार का पंचनामा 2:** अपनी पिछली फिल्म प्यार का पंचनामा के सीक्वल में नुशरत और भी दमदार अंदाज़ में लौटी थीं। इसमें उन्होंने पूरी कास्ट के साथ अपनी कॉमिक समझ का जो तालमेल बिठाया था, उससे यह फिल्म युवाओं के बीच और भी ज्यादा हिट साबित हुई थी।

➲**सोनू के टीटू की स्वीटी:** इस फिल्म ने नुशरत को मास कॉमेडी में फ्लेयर के साथ साबित किया। विशेष रूप से स्वीटी का उनका किरदार शरारती और आकर्षक होने के साथ उनसे काफी मिलता-जुलता था, जिसने दर्शकों को हंसाने के साथ कहानी से जोड़े रखा। यही वजह है कि हर फ्रेम में उनकी उपस्थिति और कार्तिक आर्यन के साथ उनका रोमांस यादगार बन गया। इस फिल्म में उन्होंने हास्य और ड्रामा का बेहतरीन संतुलन पेश किया था।

➲**ड्रीम गर्ल:** ड्रीम गर्ल में नुशरत ने कॉमिक स्टारडम को एक नई ऊँचाई पर पहुंचाया। माही के रूप में उन्होंने बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के साथ बेहतरीन एक्सप्रेशन दिया था, जो फिल्म की आत्मा है। यही वजह है कि आयुष्मान खुराना के साथ उनकी केमिस्ट्री ने ड्रीम गर्ल को साल की सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट फिल्मों में शामिल कर दिया था।

➲**उफ्फ ये सियापा:** हाल ही में रिलीज हुई अपनी इस फिल्म में भी उन्होंने अपने दर्शकों को फिर से अपनी कॉमेडी का दीवाना बना दिया है। हालांकि यह एक साइलेंट कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें केवल हाव-भाव और शारीरिक अभिव्यक्ति से हास्य पैदा करना था। ऐसे में बिना संवाद के उनकी एक्टिंग एक विजुअल कॉमेडी की मास्टरक्लास साबित हुई और उनकी अभिनय प्रतिभा को आलोचकों ने भी काफी सराहा।

अर्जुन ने की 'राइज़ एंड फॉल' में कुब्रा सैत के दमदार प्रदर्शन की तारीफ

अपनी अलग तरह की भूमिकाओं और प्रभावशाली प्रदर्शन से पहचान बनाने वाली कुब्रा सैत अब रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। वह अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किए जा रहे शो राइज़ एंड फॉल में हिस्सा ले रही हैं।

यह शो प्रतियोगियों को कठोर चुनौतियों के माध्यम से परखता है, जो असमानता और वास्तविक जीवन में मौजूद शक्ति एवं धन के फर्क को उजागर करता है। इस शो में कुब्रा को सबसे मजबूत प्रतिभागियों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में एक एपिसोड में अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, मुझे लग रहा है तुम अच्छी लग रही हो। थोड़ी कुकू लेकिन समझदार लग रही हो। तुमने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। तुमने बहुत अच्छा काम किया। रियलिटी शो के अलावा, कुब्रा सैत लगातार अपनी बहुमुखी पहचान बना रही हैं। हाल ही में वह अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं और अब वह द ट्रायल के बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन में 'सना' के रूप में वापसी करने वाली हैं। पहले वह सुल्तान और रेडी जैसी फिल्मों में दिखाई दे चुकी हैं, लेकिन नेटफ्लिक्स की सेक्रेड गेम्स में 'कुकू' के रूप में उनके बेहतरीन अभिनय ने उन्हें इंडस्ट्री में सबसे अलग पहचान दिलाई।

मंकी इन ए केज फिल्म को नजरअंदाज करना मुश्किल: सबा आजाद

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के स्पेशल प्रेजेंटेशंस सेक्शन में फिल्म मंकी इन ए केज को प्रदर्शित किया गया। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म में सबा आजाद ने मुख्य भूमिका निभाई। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने बात की। सबा आजाद ने बात करते हुए बताया कि उनके किरदार खुशी को निभाने के लिए उन्हें एक जटिल और नैतिक रूप से पेचीदा दुनिया में कदम रखना पड़ा। उन्होंने कहा, अभिनय का मतलब यह नहीं है कि हमें उन सभी अनुभवों से गुजरना पड़े जो हमारे किरदारों ने किए हैं, बल्कि यह है कि हम उन पात्रों के साथ सहानुभूति कर सकें, चाहे वे कितने भी नैतिक रूप से उलझे हुए हों। मैंने खुशी के किरदार के साथ-साथ सहानुभूति रखने की पूरी कोशिश की। सबा ने आगे कहा कि अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहती हैं। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। दर्शक जब थिएटर से बाहर निकलते हैं तो उनके दिमाग में फिल्म की कहानी का असर होता है। यह भी ऐसी ही फिल्म है, जो जरूर चर्चा पैदा करेगी और अलग-अलग लोगों में विरोधाभासी भावनाएं जगाएगी। लोग इसे पसंद करेंगे, हो सकता है कुछ लोग इसे नापसंद भी करें, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे।

हनी सिंह ने किया खुलासा

नोरा फतेही उनके नए ट्रैक आई एम सो रिच के लिए पंजाबी में गा रही हैं

नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी नई घोषणा से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह ग्लोबल स्टार एक बार फिर मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर आई एम सो रिच में अपनी आवाज़ देने के लिए रिकॉर्डिंग बूथ में कदम रख रही हैं। यह ट्रैक हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित आने वाले एलबम का हिस्सा होगा, जो इसे इस साल की सबसे रोमांचक रिलीज़ में से एक बना देता है। नोरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिकॉर्डिंग स्टूडियो की एक झलक शेयर की, जिसमें उन्हें हेडफोन लगाए गाने की लाइनें गुनगुनाते हुए देखा जा सकता है। स्टोरी में लिखा था – रिकॉर्डिंग आई एम सो रिचज लोडिंग, और इसके साथ ही सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस उत्साह में और इज़ाफा करते हुए, यो यो हनी सिंह ने खुद नोरा की स्टोरी को रीशेयर किया और अपने अंदाज़ में उनकी तारीफ की। उन्होंने एक बड़ा सरप्राइज भी दिया – नोरा इस गाने में पंजाबी में गा रही हैं।

उन्होंने लिखा वो पंजाबी में गा रही हैं दोस्तों ?? इस खुलासे ने फैंस को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया, और वे अब नोरा की पंजाबी गायकी को लेकर काफी उत्सुक हैं। यह पहली बार नहीं है जब ये दोनों कलाकार साथ आ रहे हैं – इससे पहले भी वे रिकॉर्ड तोड़ हिट 'पायल' में साथ काम कर चुके हैं। लेकिन आई एम सो रिच कुछ खास है। जहां नोरा को हमेशा उनके शानदार डांस मूव्स और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए सराहा गया है, वहीं इस बार वे एक कदम आगे बढ़कर म्यूज़िक की दुनिया में अपनी आवाज़ से भी अपनी छाप छोड़ रही हैं।

यह गाना नोरा की ग्लोबल अपील और हनी सिंह की सिग्नेचर बीट्स का जबरदस्त मेल होगा। वहीं दूसरी ओर, नोरा फतेही और और रेवान्नी का इंटरनेशनल हिट गाना- ओह मामा! तेतेमा अभी भी ग्लोबल चार्ट्स पर छाया हुआ हैं। साथ ही, वह बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाने को तैयार हैं – जहां वे कांचना 4 में लीड रोल निभा रही हैं और कई आगामी प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं। आई एम सो रिच के साथ, नोरा फतेही की बहुमुखी स्टारडम और भी निखरने वाला है।

नकुल मेहता ने खुद को बताया भाग्यशाली

लोकप्रिय टीवी अभिनेता नकुल मेहता ने आज सोशल मीडिया डू यू वाना पार्टनर में अपने को-स्टार्स को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही नकुल ने अपने फैंस से एक खास गुजारिश भी की है। उन्होंने दर्शकों से शो देखने की अपील की और वादा किया कि वे उनके समय को महत्व देंगे। उन्होंने लिखा, वे इस शो में कई प्रतिभाशाली महिलाओं और पुरुषों के साथ काम करके खुद को भाग्यशाली मानते हैं। नकुल ने अपने सह-कलाकारों की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। नकुल ने आगे लिखा, मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरे पास एक बिल्कुल नई ओरिजिनल सीरीज है, जिसका प्रीमियर आज से हो रहा है। क्या आप पार्टनर बनना चाहते हैं।

फैंस से की गुजारिश

नकुल ने फैंस से डू यू वाना पार्टनर को देखने की गुजारिश की और साथ ही लिखा, मैं आपके समय को कभी हल्के में नहीं लूंगा, लेकिन अगर आप इसे पूरा देख लेते हैं, तो मैं वादा करता हूं कि यह मुझे बहुत खुश कर देगा। अगर आपको यह पसंद आया, तो हमें बताएं। बॉबी और नकुल को।

जब फिजिक्स की क्लास में आयुष्मान ने लिखी

अपनी पहली मोहब्बत की इबारत

ताहिरा को गाने से किया था इम्प्रेस

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपने अभिनय और गायिकी से फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बना चुके हैं। उनकी पर्सनल लाइफ भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि बड़े सितारों की लव स्टोरी में उतार-चढ़ाव, झगड़े और अलगाव की बातें आती हैं, लेकिन आयुष्मान और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप की कहानी इन सबसे बिल्कुल अलग है। दोनों की मुलाकात ट्यूशन में हुई थी और तब से लेकर आज तक उनकी दोस्ती, प्यार और शादी की कहानी एकदम सिंपल और खूबसूरत रही है। इस रियल लाइफ रोमांस ने न सिर्फ उनकी जिंदगी को संवार दिया, बल्कि आयुष्मान के करियर को भी नई उड़ान दी। आयुष्मान खुराना का जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनका असली नाम निशांत खुराना है।

बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और गायिकी में रुचि थी। उन्होंने चंडीगढ़ में अपनी स्कूलिंग और कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। स्कूल के दिनों में ही उनकी मुलाकात ताहिरा कश्यप से हुई। दोनों की पहली मुलाकात 12वीं क्लास के दौरान फिजिक्स के ट्यूशन में हुई थी। दोनों का परिवार भी एक-दूसरे को जानता था, इसलिए उनकी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होती गई। आयुष्मान ने अपने पापा के साथ मिलकर ताहिरा को हमें तुमसे प्यार कितना गाना सुनाया, जिससे ताहिरा बहुत प्रभावित हुई थीं। आयुष्मान और ताहिरा एक-दूसरे को बचपन से समझते आए हैं। दोनों ने करीब 12 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और साल 2008 में शादी के बंधन में बंध गए। शादी के बाद उनका रिश्ता और भी मजबूत हुआ। ताहिरा खुद एक फिल्ममेकर और लेखक हैं, इसलिए दोनों को एक-दूसरे के काम और सपनों को समझने में कोई दिक्कत नहीं हुई। उनकी एक बेटी वरुष्का और एक बेटा विराजवीर है। आयुष्मान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उन्होंने एमटीवी रोडीज का दूसरा सीजन जीता और उसके बाद कई टीवी शो होस्ट किए।

लक्ष्मी मांचू ने ऑनलाइन सट्टेबाजी एप विवाद पर तोड़ी चुप्पी

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उस समय सुर्खियों में आ गई थीं, जब उन्हें ईडी द्वारा समन भेजा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार इनपर कथित तौर पर अवैध तरीके से पैसा जुटाने वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट देने का आरोप था। इसी के बाद से एक्ट्रेस विवादों में घिर गई थीं। अब उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी है। लक्ष्मी मांचू हाल ही में अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यह ईडी की बैठक है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि हमारी सरकार उस व्यक्ति के पीछे पड़ जाएगी। मैं सोचती हूं, भाई देखो तो इसकी शुरुआत किसने की थी। आगे उन्होंने कहा, मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि लोग कुछ भी बोलते हैं, हमने जो किया वो कुछ और है। बेचारे, वो तो सच में इस बात की जांच कर रहे हैं कि पैसा कहां जा रहा है। 100 और सेलिब्रिटीज ऐसा करते हैं। वो मुझे कोई और सेलिब्रिटी दिखाते हैं, जिसने ऐसा किया है और फिर मेरे पास आते हैं, है ना? ये तो बस एक मिनट की बात है।'

इमरान की आवारापन 2 में दिख सकती हैं दिशा पटानी

इमरान हाशमी ने कुछ समय पहले 2007 में आई फिल्म आवारापन के सीक्वल की घोषणा की थी। वहीं अब एक नई रिपोर्ट के मुताबिक... इस फिल्म में एक पॉपुलर एक्ट्रेस इमरान के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि पहले पार्ट की तरह इसमें भी एक लव स्टोरी ही दिखाई जाएगी। आवारापन 2 में लीड रोल निभाने के लिए दिशा पटानी को फाइनल किया है। इस बारे में बात करते हुए फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा...आवारापन की तरह, सीक्वल भी एक लव स्टोरी है, जो गैंगस्टर की दुनिया की बैकग्राउंड पर आधारित है। पहले पार्ट की भावना बरकरार है और निर्माता इसे दोगुने रोमांस और दोगुने इमोशन के साथ सीक्वल के रूप में बना रहे हैं। इस फिल्म में इमरान, शिवम पंडित की भूमिका निभाएंगे, वहीं दिशा के किरदार के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है। आवारापन के सीक्वल में दिशा इमरान के साथ रोमांस फरमाती हुई नजर आएंगी। ये पहला मौका होगा जब इमरान और दिशा किसी मूवी एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे। इससे पहले 2007 में आई आवारापन में श्रेया सरन और मृणालिनी शर्मा ने अहम भूमिकाओं को अदा किया था।

कोलकाता में हुई द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग, विवेक बोले- 600 लोग फिल्म देख रहे और 2 हजार..

तमाम विवादों के बाद शनिवार के दिन कोलकाता में एक सिनेमाघर में द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। अब इस फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म में बंगाल के दो संविधान को दिखाया गया है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। द बंगाल फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने एएनआई से बातचीत करते हुए फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी फिल्म में दिखाया है कि यहां दो संविधान हैं। आजादी से पहले भी दो संविधान थे, एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का। इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर इस सरकार ने साबित कर दिया है कि राज्य में दो संविधान हैं। यहां कोई भी भारतीय संविधान का पालन नहीं करता। लेकिन आज थिएटर में मौजूद 600 लोगों और प्रतीक्षा में मौजूद 2000 लोगों ने साबित कर दिया है कि वे इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

साभार एजेंसी

जैस्मिन लैम्बोरिया का गोल्डन पंच

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 भारवर्ग) ने भारत को स्वर्णिम सफलता दिलाई है। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की बेटी का दबदबा देखा गया। फाइनल में पोलैंड की जूलिया को मात देकर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया था।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के दस सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने 3 कांस्य जीते थे।

एशिया कप: श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया, 32 गेंद पहले जीता मुकाबला

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को हरा दिया है। श्रीलंका को जीत के लिए 140 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका ने 32 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। 140 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 13 के स्कोर पर कुसाल मेंडिस का विकेट खो दिया। वह 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाथुम निसांका और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कामिल मिशारा ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद पर 95 रन की तेज साझेदारी कर मैच का पलड़ा श्रीलंका की तरफ पूरी तरह मोड़ दिया। यहां से बांग्लादेश के लिए वापसी की उम्मीद खत्म हो गई और मैच में सिर्फ औपचारिकता रह गई।

ग्रांड स्विस 2025:

दिव्या देशमुख नें गुकेश से खेला ड्रा

निहाल की सयुंक्त बढ़त क़ायम

समरकंद,उज्बेकिस्तान, एजेंसी। फीडे ग्रांड स्विस 2025 के आठवें राउंड में ख़राब लय से जूझ रहे भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश लगातार चौंथे राउंड में जीटी नहीं दर्ज कर पाये हालांकि उनकी लगातार तीन हार का क्रम अंततः टूट गया और वर्तमान विश्व कैप महिला विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें गुकेश को ड्रा पर रोकते हुए नया इतिहास रच दिया , इसके साथ ही मौजूदा विश्व चैंपियन को ड्रा पर रोकने वाली दिव्या इतिहास की पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है ।

दिव्या नें काले मोहरो से गुकेश की हर चाल का माकूल जबाब दिया , सिसिलियन ओपनिंग में दिव्या नें 103 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में कमाल की क्षमता का परिचय दिया । इस ड्रा के कारण गुकेश पिछले दो सालों में पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस से बाहर होने के करीब पहुँच गए है । वहीं भारत के निहाल सरीन नें आज पहले बोर्ड पर जर्मनी के मैटियास ब्लूबम से ड्रा खेला और छह अंकों के साथ अपनी एकल बढ़त को क़ायम रखा है। वहीं जर्मनी के विंसनेट केमर से भारत के वर्तमान ग्रैंड स्विस चैंपियन विदित गुजराती को हार का सामना करना पड़ा जबकि बाजी ड्रा के करीब थी ।

अर्जुन एरिगैसी नें आर्मेनिया के सर्गेशियन शांत से और आर प्रज्ञानंदा नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से ड्रा खेला , वहीं महिला वर्ग में सबसे आगे चल रही आर भारत की आर वैशाली को कजाकिस्तान के बिबिसारा असुबयेवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा है ।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में

अपनी प्रतिभा दिखाने उतरेंगे 100 पेरिस पैरा ओलंपिक मेडलिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। इसमें 104 देशों के 2,200 से ज्यादा ऐथलीट्स 186 पदक इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा। चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले, कड़ी टक्कर और यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे, क्योंकि पेरिस पैरालंपिक में 308 पदक जीतने वाले कुल 100 पदक विजेता, जिनमें 112 गोल्ड, 96 सिल्वर और 100 ब्रॉन्ज पदक विजेता शामिल हैं, सबसे भव्य पैरा एथलेटिक्स मंच पर अपनी क्षमता का परीक्षण करने के लिए वापस आएंगे।

यह पहला मौका है जब भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी कर रहा है। इस बार प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी बड़ा होगा, जिसमें कुल 186 पदक इवेंट होंगे, जो पिछली बार कोबे में हुए आयोजन से 15 अधिक हैं। इनमें 101 इवेंट पुरुषों के लिए, 84 महिलाओं के लिए और 1 मिश्रित इवेंट होगा। सबसे आगे हैं जर्मनी के मार्कस रेहम, जो पुरुषों की लंबी कूद टी64 में चार बार के पैरा ओलंपिक चैंपियन और सात बार के विश्व चैंपियन हैं। उन्हें ब्लेड जम्पर कहा जाता है। रेहम के नाम ऐसा विश्व रिकॉर्ड है, जो इस सदी के सभी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं की छलांग से भी आगे है।

भारत का गर्व, सुमित अंतिल, जो दो बार के पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ64 श्रेणी में मौजूदा वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियन हैं। वह एक बार फिर घरेलू दर्शकों को अपने शानदार प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रूनर, जिन्होंने पेरिस पैरा ओलंपिक में छह इवेंट्स में पाँच स्वर्ण और एक रजत जीतकर सुर्खियाँ बटोरीं, नई दिल्ली में पाँच रेसों में हिस्सा लेंगी और अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने का लक्ष्य रखेंगी। पैरा ओलंपियन प्रवीन कुमार, जो पुरुषों की हाई जंप टी64 में खेलते हैं, अपनी पदक सूची को पूरा करने के लिए भारत में होने वाली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने को उत्सुक हैं। अन्य सितारों में शामिल हैं ब्राज़ील के पेट्रुसियो फरेरा, जिन्हें दुनिया का सबसे तेज़ पैरा ओलंपियन माना जाता है। वे पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में अपना लगातार पाँचवाँ विश्व खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। भारत की ध्वजवाहक प्रीति पाल, जिन्होंने पेरिस 2024 में दो कांस्य पदक जीते और कोबे में भी शानदार प्रदर्शन किया, इस बार भी सबका ध्यान आकर्षित करेंगी। ऑस्ट्रेलिया की वेनेसा लो, जिन्होंने पेरिस में लंबी कूद टी63 में स्वर्ण पदक जीता था, अब एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के परिचित मैदान पर उतरेंगी और श्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अपनी अगुवाई जारी रखेंगी।

सफिया जेजल, जेसी ज़ेस्सेड और नसीमा सैफी जैसे अन्य ओलंपिक पदक विजेता भी इस आयोजन में सितारों की चमक बढ़ाएँगे। मौजूदा दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा, यह चैंपियनशिप नए उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी मंच देगी, जो अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हैं। यही कारण है कि यह आयोजन दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए बिल्कुल भी मिस न करने वाला होगा।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप भारतीय खेल इतिहास में एक माइलस्टोन साबित होगी, जहाँ पैरा खिलाड़ियों के जज़्बे, कौशल और हिम्मत का जश्न जोशीले घरेलू दर्शकों के सामने मनाया जाएगा।

डेविस कप:

भारत ने विश्व ग्रुप 1 में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

बिएल, एजेंसी। भारत ने शनिवार को स्विस टेनिस एरीना में विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर डेविस कप में इतिहास रच दिया।

भारतीय टीम ने 1993 के बाद पहली बार यूरोप में किसी यूरोपीय देश पर जीत दर्ज की। शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्विट्जरलैंड के बिएल स्थित स्विस टेनिस एरीना में हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप 1 चरण में भारत की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही, मौजूदा भारतीय टीम ने लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की टीम के उस प्रदर्शन को दोहराया, जिसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। भारत अब विश्व ग्रुप क्वालीफायर में पहुंच गया है, लेकिन इस परिणाम के साथ स्विट्जरलैंड डेविस कप 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने एक और इतिहास रच दिया क्योंकि 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से वह विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है। भारत तीन मौकों 1966, 1974 और 1987 में उपविजेता रहा है।

दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को शुरुआती मैच में उच्च रैंकिंग वाले जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। नागल ने मेहमान टीम के लिए एक प्रभावशाली दिन का समापन किया क्योंकि उन्होंने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, मेजबान टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए, उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और स्कोर 1-2 कर दिया।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट के 10वें गेम में सर्विस टूटने के बाद वे अगला सेट हार गए। तीसरे सेट में एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली ने तीसरे गेम में स्विस जोड़ी की सर्विस तोड़ी, लेकिन छठे और 12वें गेम में सर्विस गंवाकर दो घंटे 21 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तानी कोच हेसन ने नवाज को वर्ल्ड बेस्ट स्पिनर बताया

भारतीय कोच का तंज- अपने खिलाड़ी को जहां चाहें, वहां रैंक करें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा बयान दिया। हेसन ने अपनी टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर करार दे दिया। हालांकि नवाज इस समय टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं। अब इस पर भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे का रिएक्शन आया है। डेशकाटे ने हेसन पर तंज कसते हुए कहा, हर किसी को अपने खिलाड़ियों को जहां चाहे रैंक करने का अधिकार है। माइक हेसन का दावा 11 सितंबर को माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है हमारी टीम की खूबसूरती यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं।

हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के बेस्ट स्पिन बॉलर हैं, और पिछले छह महीनों से टीम में वापसी के बाद वह इसी तरह रैंक किए गए हैं। भारत के कोच का संतुलित जवाब 13 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे से भी हेसन के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अगर कुछ है तो मुझे नहीं लगता कि विकेट ने उतना ग्रिप किया है जितना हमने सोचा था, और निश्चित रूप से उतना नहीं जितना इस साल की शुरुआत में किया था।

लेकिन टी-20 क्रिकेट में स्पिन बहुत अहम हो गया है और दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। हमें पता है कि वरुण, अक्षर और कुलदीप के बारे में हम कैसा महसूस करते हैं, इसलिए हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वे अपने खिलाड़ियों को जहां चाहें वहां रैंक कर सकते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से बाहर

अधिक वजन से छिना मौका

जाग्रेब, एजेंसी। पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किलो वर्ग के मुकाबले से पहले हुए वजन जांच में अमन का वजन 1.7 किलो अधिक पाया गया। इस वजह से उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। भारत की कुश्ती टीम को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को रविवार को जाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप से अयोग्य करार दिया गया।इसका कारण तो और भी चौंकाने वाला है। उनका वजन तय सीमा से ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

1.7 किलो अधिक वजन निकला: पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता से पहले हुए वजन मापन (वेट-इन) में 1.7 किलो ज्यादा पाया गया। भारतीय दल के एक सदस्य ने बताया, %यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पाए। जब उन्होंने वेटिंग स्केल पर खड़ा होकर वजन कराया, तो वे 1700 ग्राम अधिक पाए गए। यह वास्तव में स्वीकार्य नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि उनका वजन इतना कैसे बढ़ गया।

विनेश फोगाट का मामला याद आया

भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में तब बड़ा झटका लगा था, जब दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले उनके बढ़े हुए वजन को लेकर डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। वजन मापने के दौरान 29 वर्षीय विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया और इसी कारण उन्हें 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन निर्धारित वजन सीमा के अंदर नहीं पहुंच सकी थीं। इस घटना के चलते भारत ओलंपिक में एक संभावित पदक से चूक गया था।

25 अगस्त से जाग्रेब में थे अमन: अमन 25 अगस्त को अन्य भारतीय पहलवानों के साथ एडजस्टमेंट (अक्लिमेटाइजेशन) कैंप के लिए जाग्रेब पहुंचे थे। ऐसे में उनके पास वजन बनाने के लिए पर्याप्त समय था। 22 वर्षीय अमन सेहरावत दिल्ली के मशहूर छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं। वे इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत पदक दावेदारों में से एक माने जा रहे थे।

इजराइली बलों ने वेस्ट बैंक में स्थित मेरे घर पर हमला किया : ऑस्कर विजेता फलस्तीनी निर्देशक

» यरूशलम, भाषा।

ऑस्कर पुरस्कार विजेता फलस्तीनी निर्देशक बासिल आद्रा अदरा ने कहा है कि इजराइली सैनिकों ने शनिवार को वैस्ट बैंक में स्थित उनके घर पर हमला किया और उनकी पत्नी का फोन अपने कब्जे में ले लिया। आदरा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इजराइली सैनिकों ने उनके गांव पर हमला किया, जिसमें उनके भाई घायल हो गए। निर्देशक ने कहा कि गांव में रहने वाले एक परिवार ने उन्हें बताया कि इजराइली बलों ने उनके घर पर भी हमला किया है। आदरा ने बताया कि सैनिकों ने उनकी पत्नी सुहा से उनका (आदरा का) पता-ठिकाना पूछा और पत्नी का फोन ले लिया। इस दौरान घर पर उनकी नौ माह की बच्ची भी थी। आदरा ने बताया कि जानकारी मिलने पर वह अपने परिवार का हाल जानने के लिए घर नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि सैनिकों ने गांव में दाखिल होने वाला रास्ता बंद कर दिया है।

निर्देशक ने आशंका जताई कि उन्हें भी हिरासत में लिया जा सकता है। इजराइल की सेना ने कहा कि फलस्तीनियों की ओर से पथराव किए जाने के कारण दो इजराइली नागरिकों के घायल होने के बाद सैनिक गांव में घुसे थे। सेना ने कहा कि सैनिक अब भी गांव में हैं और इलाके की तलाशी लेने के साथ-साथ लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। बासिल को वृत्तचित्र नो अदर लैंड के लिए ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने शनिवार की घटनाओं को भयावह बताया। उन्होंने कहा, अगर आप बस्तियों में रहने वालों का सिर्फ वीडियो बना रहे हैं तो भी सेना आती है और आपका पीछा करती है, आपके घर की तलाशी लेती है। यह पूरी व्यवस्था हम पर हमला करने, हमें भयभीत करने के लिए है।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमले तेज होने के बीच रुबियो इजराइल पहुंचे

यरुशलम, भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो रविवार को इजराइल पहुंचे। इस बीच, इजराइल ने उत्तरी गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे एक और ऊंची इमारत ध्वस्त हो गई तथा कम से कम 12 फलस्तीनी मारे गए। रुबियो ने यात्रा से पहले कहा कि वह इजराइली अधिकारियों से इस बारे में जवाब मांगेंगे कि पिछले सप्ताह कतर में हमास के सदस्यों पर इजराइल के हमले के बाद गाजा में आगे का रास्ता वे किस प्रकार देखते हैं। उनकी दो-दिवसीय यात्रा तेजी से अलग-थलग पड़ रहे इजराइल के प्रति समर्थन का भी प्रदर्शन है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन राष्ट्र के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता पर विवादास्पद बहस होने की उम्मीद है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने सबंधी किसी भी संभावित कदम का कड़ा विरोध करते रहे हैं। रुबियो की यात्रा दोहा में हमास नेताओं पर इजराइली हमले को लेकर नेतन्याहू पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुस्से के बावजूद हो रही है। ट्रंप ने कहा था कि इजराइल ने हमले को लेकर अमेरिका को पहले से सूचित नहीं किया। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, रविवार को गाजा में इजराइल के कई हमलों में कम से कम 13 फलस्तीनी मारे गए और कई घायल हो गए।

हम चाहते हैं कि हमारे और अधिक छात्र हिंदी सीखें :उपमंत्री

रूस में हिंदी सीखने को लेकर रुचि बढ़ी सरकार संस्थानों की संख्या बढ़ा रही

» मॉस्को, भाषा।

सोवियत संघ के पतन के तीन दशक बाद, रूस में हिंदी सीखने के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ रही है और सरकार इस भाषा को पढ़ाने वाले संस्थानों की संख्या बढ़ा रही है। रूस के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा उपमंत्री कोंस्तातिन मोगिलेव्स्की ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे और अधिक छात्र हिंदी सीखें। मोगिलेव्स्की ने रूसी समाचार एजेंसी तास को बताया, भारत आज दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश है और अधिक से अधिक भारतीय अपने रोजमर्रा के जीवन में अंग्रेजी के बजाय हिंदी का इस्तेमाल करने लगे हैं। हमें हिंदी और अन्य एशियाई भाषाएं सीखने की जरूरत है। रूस के उच्च शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, हिंदी सीखने को लेकर छात्रों में रुचि बढ़ी है और वह इस भाषा को पढ़ाने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या बढ़ाने के लिए पहले से ही कदम उठा रहा है। रसियन स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटीज (आरएसयूएच) की इंदिरा गजीएवा ने कहा कि रूसी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अधिकतर पश्चिमी विमर्श के माध्यम से भारतीय वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है।

उन्होंने कहा, रूस की युवा पीढ़ी आधुनिक भारत और उसकी प्राचीन सभ्यतागत विरासत के गहन अध्ययन में रुचि ले रही है। रूसी शिक्षा एवं विज्ञान मंत्रालय छात्रों के लिए प्राच्य भाषाएं सीखने के और अधिक अवसर पैदा करने की योजना बना रहा है। यह विशेष रूप से हिंदी से संबंधित है, जिसकी आधुनिक छात्रों के बीच मांग पहले ही काफी बढ़ चुकी है। मोगिलेव्स्की के हवाले से तास ने कहा, आज हिंदी सीखने के इच्छुक युवाओं के पास पहले की तुलना में अधिक

अवसर हैं। अकेले मॉस्को में ही एमजीआईएमओ स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, आरएसयूएच, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी का एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन संस्थान तथा मॉस्को स्टेट लिंग्विस्टिक यूनिवर्सिटी है। उन्होंने कहा, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी, कजान फेडरल यूनिवर्सिटी और अन्य विश्वविद्यालयों में भी हिंदी पढ़ाई जाती है। हिंदी पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या बढ़ रही है, और समूहों की संख्या दो से तीन गुना अधिक है। सोवियत संघ के पतन के बाद, मॉस्को में हिंदी पढ़ाने वाले सबसे पुराने बोर्डिंग स्कूल को नगर सरकार ने बंद कर दिया था, क्योंकि उसने हिंदी पढ़ाना ऐसे समय में अनावश्यक पाया, जब रेडियो मॉस्को ने अपने हिंदी प्रसारण बंद कर दिए थे। साथ ही, प्रोग्रेस और रादुगा प्रकाशन हाउस ने रूसी लेखकों के अनुवाद प्रकाशित करना बंद कर दिया था। इस महीने की शुरुआत में आयोजित मास्को अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में भारत को गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंधों के कारण अमेरिका नहीं आ सकेंगे विदेशी छात्र

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अफगानिस्तान में लड़कियों के कॉलेज जाने पर तालिबान की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद बहारा सागरी नाम की युवती ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका जाने का फैसला किया। बहारा (21) ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उसे इलिनॉय के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई करने का प्रस्ताव मिला। बहारा इस साल अमेरिका पहुंचने की उम्मीद में थीं लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यात्रा प्रतिबंध के कारण उनका सपना एक बार फिर पूरा नहीं हो पाया। बहारा ने कहा, आपको लगता है कि आखिरकार आप अपने सपने की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन फिर कुछ ऐसा होता है कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया हो। ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और इन प्रतिबंधों से हजारों विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई ऐसे भी हैं जो अमेरिका आने के लिए काफी समय और पैसा लगाने के बाद अब खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। कुछ विदेशी छात्र इस साल कॉलेजों में प्रवेश के प्रस्ताव मिलने के बावजूद नहीं आ पा रहे हैं क्योंकि वीजा प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त जांच-पड़ताल होने के कारण वीजा मिलने में देरी हो रही है।

प्रशासन द्वारा व्यापक आव्रजन कार्रवाई और कुछ विद्यार्थियों का लीगल स्टेट्स अचानक समाप्त किए जाने के कारण अन्य छात्र अमेरिका आने को लेकर पुनर्विचार कर रहे हैं। यात्रा प्रतिबंधों का सबसे ज्यादा खामियाजा विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। पिछले साल विदेश विभाग ने मई से सितंबर के बीच यात्रा प्रतिबंधों से प्रभावित 19 देशों के लोगों को 5,700 से ज्यादा एफ-1 और जे-1 वीजा जारी किए थे। इनका इस्तेमाल विदेशी छात्र और शोधकर्ता करते हैं। स्वीकृत वीजा में से आधे से ज्यादा ईरान और म्यांमा के नागरिकों को जारी किए गए थे। अफ्रीका, एशिया, पश्चिमी एशिया और कैरिबियाई क्षेत्रों के 12 देशों के नागरिकों पर पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं। इस प्रतिबंध के कारण अधिकांश लोगों को वीजा नहीं मिल पाता है। हालांकि प्रतिबंधित देशों के कुछ नागरिकों, जैसे ग्रीन कार्ड धारक, दोहरी नागरिकता वाले और कुछ एथलीटों को इससे छूट दी गई है।

जेन जेड आंदोलन के दौरान हिंसा में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा : कार्की

काठमांडू, (भाषा)। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर में हिंसा और विनाश में शामिल रहे लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। कार्की (73) ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे काठमांडू के सिंह दरबार सचिवालय में नवनिर्मित गृह मंत्रालय भवन में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जेन जेड प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा और उनके परिजनों को दस लाख नेपाली रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने जेन जेड समूह की सिफारिश पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। इस समूह ने दो-दिवसीय विरोध प्रदर्शन के माध्यम से मंगलवार को के पी शर्मा ओली सरकार को उखाड़ फेंका था। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सचिवों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हिंसा और सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के विनाश में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नौ सितंबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान आगजनी तथा तोड़फोड़ सुनियोजित थी और जेन-जेड प्रदर्शनकारी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं थे। कार्की ने कहा, जिस तरह की आगजनी और तोड़फोड हुई है, वह एक आपराधिक कृत्य है। इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सज़ा मिलनी चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल को देश भर में नष्ट हुई पुलिस चौकियों की मरम्मत का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया। चूंकि दो-दिवसीय आंदोलन के दौरान सिंह दरबार सचिवालय स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दी गई थी, इसलिए सिंह दरबार परिसर में गृह मंत्रालय के लिए नवनिर्मित भवन का उपयोग प्रधानमंत्री कार्यालय के रूप में किया जाएगा। सोमवार को सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही एक बड़े अभियान में बदल गया, जिसमें भ्रष्टाचार के प्रति जनता का गुस्सा और राजनीतिक वर्ग की कथित उदासीनता की झलक दिखी।

सबिता भंडारी नेपाल की पहली महिला अटॉर्नी जनरल बनीं

काठमांडू। वरिष्ठ अधिवक्ता सबिता भंडारी को रविवार को नेपाल सरकार का अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया। वह इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला हैं। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर भंडारी को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया। भंडारी अब नेपाल की पहली महिला अटॉर्नी जनरल बन गई हैं। वह राष्ट्रीय सूचना आयोग की पूर्व सूचना आयुक्त भी हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति पौडेल ने अटॉर्नी जनरल के पद से रमेश बादल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी। सरकार बदलने के बाद अटॉर्नी जनरल का इस्तीफा देना एक सामान्य प्रक्रिया है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया : पीपीपी नेता

» लाहौर, भाषा।

बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक शीर्ष नौकरशाह के इशारे पर एक मंदिर की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है। यह सनातन धर्म मंदिर लाहौर से लगभग 250 किलोमीटर दूर भलवाल में स्थित है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता नदीम अफजल चान ने एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमां के इशारे पर भलवाल में मंदिर की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है।

पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ज़रदारी के करीबी सहयोगी चान ने यह भी आरोप लगाया कि न केवल यह जमीन, बल्कि सरगोधा (लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर) के भेरा और कोट मोमिन में इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) की कई एकड़ जमीन पर भी मुख्य सचिव के भतीजों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। चान ने कहा कि अगर मुख्य सचिव के नाम का दुरुपयोग हो रहा है तो उन्हें जमीन हड़पने वालों के खिलाफ कार्वाई करनी चाहिए। इस बीच, मुख्य सचिव ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ईटीपीबी के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संबंधित मंदिर की जमीन पर बोर्ड के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध कब्जा किया गया है। उन्होंने कहा, जमीन कब्जाने वालों ने उस पर एक प्लाजा बनाना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, ईटीपीबी सचिव फरीद इकबाल ने कहा कि बोर्ड ने मंदिर स्थल पर निर्माण कार्य में शामिल लोगों को नोटिस जारी किया है।

यूक्रेन ने रूस की शीर्ष तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया

» मॉस्को, भाषा।

यूक्रेन ने बीती रात रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर भीषण ड्रोन हमला किया, जिससे आग लग गई। रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। रूस के उत्तर-पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र में स्थित किरिशी रिफ़ाइनरी पर बीती रात हुए इस हमले से हफ्तों पहले भी यूक्रेन ने रूसी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया था। रूस की प्रमुख तेल कंपनी सर्गुतनेफ्तेगास द्वारा संचालित संबंधित प्रतिष्ठान हर वर्ष लगभग 1.77 करोड़ मीटकि टन अर्थात प्रतिदिन 3,55,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है। रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत किए जाने के तीन साल से भी ज्यादा समय बाद ड्रोन दोनों पक्षों के लिए एक अहम हथियार बनकर उभरे हैं।

बुधवार को कई रूसी ड्रोन पोलैंड में घुस गए थे, जिसके बाद नाटो ने उन्हें मार गिराने के लिए लड़ाकू विमान भेजे। इससे लंबे समय से चली आ रही इस चिंता को और बल मिला कि यह लड़ाई यूक्रेन की सीमाओं से आगे भी फैल सकती है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, घटनास्थल पर विस्फोट और आग लगने की सूचना मिली है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें रात के समय आसमान में आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दिखाई देता है। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज़्डेंको ने बताया कि किरिशी इलाके में रात भर में तीन ड्रोन गिराए गए, जिसके मलबे से प्रतिष्ठान में आग लग गई। उन्होंने कहा कि कोई हताहत नहीं हुआ और आग बुझा दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रूस अधिकृत क्रीमिया और निकटवर्ती आज़ोव सागर के ऊपर रात भर में कम से कम 80 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक बना हुआ है, लेकिन मांग में वृद्धि और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण हाल के सप्ताहों में गैसोलीन की कमी हो गई है। देश के कुछ क्षेत्रों में ईंधन स्टेशनों पर ईंधन की कमी हो गई है और वाहन चालकों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। इस कमी को कम करने के प्रयास में, रूस ने गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने 30 सितंबर तक पूर्ण प्रतिबंध और 31 अक्टूबर तक व्यापारियों तथा बिचौलियों को प्रभावित करने वाले आंशिक प्रतिबंध की बुधवार को घोषणा की।

स्पेन में संदिग्ध गैस रिसाव से विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत, 25 घायल

» मैड्रिड, भाषा।

स्पेन की राजधानी मेड्रिड में एक इमारत में संदिग्ध गैस रिसाव से हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी रविवार को शहर की आपात सेवाओं ने दी। प्राधिकारियों ने बताया कि शनिवार को हुए विस्फोट के बाद खोजी कुत्तों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया, जिसमें एक व्यक्ति का शव मिला।

स्पेन की समाचार एजेंसी ईएफई ने कहा कि अग्निशमन दल को आशंका है कि विस्फोट का कारण गैस रिसाव हो सकता है, हालांकि पुलिस इसकी जांच कर रही है। अग्निशमन विभाग के प्रमुख जेवियर रोमेरो ने बताया कि शनिवार अपराह्न करीब तीन बजे तीन मंजिला इमारत की निचली मंजिल पर विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि इसके बाद मलबे से चार लोगों को बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि धमाके में एक कैफे, एक दुकान और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है।

ब्रिटेन में सिख महिला के यौन उत्पीड़न की घटना की ब्रिटिश सांसद प्रीत कौर ने की निंदा

लंदन, भाषा। ब्रिटेन की सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने एक सिख युवती का यौन उत्पीड़न किए जाने की घटना की निंदा की है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा है कि वह इस हमले को नस्ली अपराध मानकर जांच कर रही है। प्रीत कौर गिल ने मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में हुए भयावह हमले पर सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा, ओल्डबरी में एक सिख महिला पर हुए भयावह हमले से मैं बेहद स्तब्ध हूं। यह एक अत्यधिक हिंसक कृत्य है लेकिन इसे नस्लीय भेदभाव के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि अपराधियों ने कथित तौर पर उससे कहा था कि वह यहां की नहीं है। उन्होंने कहा, वह यहीं की है। हमारे सिख समुदाय और हर समुदाय को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करने का अधिकार है। ओल्डबरी या ब्रिटेन में कहीं भी नस्लवाद और स्त्री-द्वेष के लिए कोई जगह नहीं है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित, उसके परिवार और सिख समुदाय के साथ हैं। बर्मिंघम एजबेस्टन से लेबर पार्टी की सांसद ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के कई लोग उनसे संपर्क कर रहे हैं और बता रहे हैं कि वे डरे हुए हैं। पुलिस ने बताया कि उसे मंगलवार सुबह ओल्डबरी के टेम रोड पर 20 साल की युवती का यौन उत्पीड़न किए जाने सूचना मिली। बताया जा रहा है कि दो श्वेत पुरुषों ने महिला का उत्पीड़न किया और उस पर नस्लवादी टिप्पणी की। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के एक बयान में कहा गया है, एक महिला ने हमें बताया है कि ओल्डबरी में उसके साथ दुष्कर्म हुआ है, जिसे हम नस्लीय हमला मान रहे हैं और घटना की जांच कर रहे हैं।

अमेरिका से आयातित कुछ एनालॉग आईसी चिप की डंपिंग-रोधी जांच की घोषणा की

चीन ने वार्ता से पहले अमेरिकी सेमीकंडक्टर क्षेत्र को लक्ष्य कर जांच शुरू की

» ताइपे, भाषा।

चीन ने इस सप्ताह स्पेन के मैड्रिड में व्यापार, राष्ट्रीय सुरक्षा और सोशल मीडिया मंच टिकटॉक के स्वामित्व पर अमेरिका के साथ होने वाली वार्ता से पहले शनिवार को अमेरिकी सेमीकंडक्टर क्षेत्र को निशाना बनाकर दो जांच शुरू कीं। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका से आयातित कुछ एनालॉग आईसी चिप की डंपिंग-रोधी जांच की घोषणा की है। यह जांच कुछ कमोडिटी इंटरफेस आईसी चिप और गेट ड्राइवर आईसी चिप को लक्षित करेगी, जो आमतौर पर टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ओएन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं। मंत्रालय ने अलग से चीन के चिप क्षेत्र के खिलाफ अमेरिकी उपायों की भेदभाव-विरोधी जांच की घोषणा की।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट रविवार और बुधवार के बीच मैड्रिड में चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग से मुलाकात करेंगे। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि निर्यात प्रतिबंध और शुल्क जैसे अमेरिकी उपाय उन्नत कंप्यूटर चिप और कृत्रिम मेधा जैसे चीन के उच्च-तकनीकी उद्योगों के विकास को रोकते और दबाते हैं। जांच की घोषणा शुक्रवार को अमेरिका द्वारा 23 चीनी कंपनियों को उन व्यवसायों की सूची में शामिल करने के बाद हुई है, जिन पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के विरुद्ध कथित रूप से काम करने के लिए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस सूची में वे दो चीनी कंपनियां भी शामिल हैं, जिन पर प्रमुख चीनी चिप निर्माता कंपनी एसएमआईसी के लिए चिप बनाने के उपकरण खरीदने का आरोप है।मैड्रिड में बेसेंट और हे के बीच बैठकें व्यापार तनाव कम करने और एक-दूसरे के उत्पादों पर ऊंचे शुल्क को स्थगित करने के उद्देश्य से की जा रही वार्ताओं की श्रृंखला के तहत होंगी।

चीन ने नेपाल की नई प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को बधाई दी

बीजिंग, भाषा। चीन ने सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनने पर रविवार को बधाई दी और दोनों पड़ोसी देशों के बीच पुरानी मित्रता पर जोर दिया। कार्की (73) ने एक सप्ताह के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी।चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने रविवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, चीन, मैडम सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देता है। चीन और नेपाल के बीच पुरानी मित्रता है। चीन, हमेशा की तरह, नेपाल के लोगों के फैसले का सम्मान करता है। प्रवक्ता ने कहा, हम शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों को बढ़ावा देने, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान, सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए नेपाल के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

पूर्व राजनयिक प्रीति सरन संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख निकाय की अध्यक्ष नियुक्त

» न्यूयॉर्क, भाषा।

पूर्व राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठित आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) का अध्यक्ष चुना गया है। सरन को यह जिम्मेदारी जटिल बहुपक्षीय मुद्दों को संभालने में उनकी व्यापक अनुभव को ध्यान में रखते हुए दी गई है। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख निकाय है, जिसे सदस्य राष्ट्रों द्वारा आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय अनुबंधों के क्रियान्वयन की देखरेख का कार्य सौंपा गया है।

सरन ने भारतीय विदेश सेवा में अपने 36 वर्षों के विशिष्ट कार्यकाल में भारत के साथ-साथ एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में भारतीय मिशन में विभिन्न पदों पर कार्य किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के जिनेवा स्थित स्थाई मिशन ने कहा कि शीर्ष पद पर सरन का चुनाव वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में नई दिल्ली के योगदान और नेतृत्व को मान्यता है। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करता है। सरन मार्च 2016 से सितंबर 2018 तक विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) के रूप में कार्य करने के बाद सेवानिवृत्त हुई थीं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,